सत्यमेव जयते

भारत सरकार
कोयला मंत्रालय

2021-22 के लिए कोयला मंत्रालय का एजेंडा

“भारत ने प्रतिस्पर्धा, पूंजी, भागीदारी और प्रौद्योगिकी के लिए कोयला और खनन क्षेत्रों को पूरी तरह से खोलने का एक बड़ा फैसला लिया है”- *प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी*

वर्ष 2021-22 के लिए एजेंडा

एजेंडा एक नज़र में

I. कोयला क्षेत्र में सुधार

- वित्तीय वर्ष 21-22 के लिए परियोजनाएं
- झरिया मास्टर प्लान
- नियामक सुधार (अन्वेषण)
- कोयला परिष्करण
- कोयला खानों में सुरक्षा
- कोकिंग कोयला कार्यनीति
- मार्केटिंग सुधार
- कोयला मूल्य निर्धारण सुधार
- भूमि अधिग्रहण में सुधार
- सौर विद्युत परियोजनाएं
- कोयला प्रेषण और स्टॉकिंग
- पड़ोसी देशों में कोयला निर्यात
- नीलामी के माध्यम से आवंटित खानों के कोयला उत्पादन को बढ़ावा देने की कार्यनीति।

II कोयला बदलाव एवं संधारणीयता

- ❖ कोयला बदलाव के सामाजिक पहलू
- ❖ कोयला रहित भूमि का मुद्रीकरण
- ❖ डाटा माइनिंग/ड्रोन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग
- ❖ संधारणीयता (निवल शून्य उत्सर्जन)

III संस्थान निर्माण

- ❖ कोयला नियंत्रक संगठन (सीसीओ), कोयला खान भविष्य निधि संगठन (सीएमपीएफओ) में सुधार
- ❖ कोयला परीक्षण प्रयोगशालाओं का उन्नयन
- ❖ स्टाफ की गुणवत्ता और प्रशिक्षण संबंधी मुद्दे

IV भावी एजेंडा

- ❖ कोयले से रसायन : सिन गैस, हाइड्रोजन गैस, लिक्विड फ्यूल्स, रसायन और उर्वरक
- ❖ सीआईएलः अपने व्यवसाय में विविधता और सनराइज इंडस्ट्रीज में इलेक्ट्रिक चार्जिंग पॉड्स, ईवी आदि में संभावनाओं की खोज। यथोचित परिश्रम के बाद या नए व्यवसाय का अधिग्रहण और विलय
- ❖ मजबूत मीडिया अभियान
- ❖ सीएसआर गतिविधियों की करीबी निगरानी

क्र.सं.	एजेंडा की मद	अधिकारी(यों) जिन्हें जिम्मेदारी सौंपी गई	पृष्ठ सं.
I. कोयला क्षेत्र में सुधार			8-30
1	वित्तीय वर्ष 21-22 के लिए परियोजनाएं	अपर सचिव (एमएन)	9-10
2	झरिया मास्टर प्लान	परियोजना सलाहकार/सीएम(पीके)	11-12
3	नियामक सुधार (अन्वेषण)	परियोजना सलाहकार/सीएम(पीके)	13-15
4	कोयला परिष्करण	अपर सचिव (एमएन)	16-18
5	कोयला खानों में सुरक्षा	परियोजना सलाहकार/सीएम(पीके)	19-21
6	कोकिंग कोयला कार्यनीति	अपर सचिव(एमएन)	22-23
7	मार्केटिंग सुधार	संयुक्त सचिव(सीपीडी)	24
8	कोयला मूल्य निर्धारण सुधार	संयुक्त सचिव(स्थापना)	24
9	भूमि अधिग्रहण में सुधार	अपर सचिव(सी)	24
10	सौर विद्युत परियोजनाएं	परियोजना सलाहकार	25-27
11	कोयला प्रेषण और स्टॉकिंग	संयुक्त सचिव(सीपीडी)	28
12	पड़ोसी देशों में कोयला निर्यात	संयुक्त सचिव(सीपीडी)	28
13	नीलामी के माध्यम से आवंटित खानों के कोयला उत्पादन को बढ़ावा देने की रणनीति।	अपर सचिव (एमएन)	29-30

	II कोयला बदलाव एवं संधारणीयता		**31-43**
1	कोयला बदलाव के सामाजिक पहलू	संयुक्त सचिव (पीएंडएस) तथा डीडीजी	32
2	कोयला रहित भूमि का मुद्रीकरण	आर्थिक सलाहकार	33
3	डाटा माइनिंग/ड्रोन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग	डीडीजी एवं सलाहकार (परियोजना)	34-40
4	संधारणीयता (निवल शून्य उत्सर्जन)	संयुक्त सचिव(पीएंडएस)	41-43
	III संस्थान निर्माण		**44-49**
1	कोयला नियंत्रक संगठन (सीसीओ), कोयला खान भविष्य निधि संगठन (सीएमपीएफओ) में सुधार	संयुक्त सचिव (स्थापना), डीडीजी एवं ईए सहित अपर सचिव(कोयला)	45-48
2	कोयला परीक्षण प्रयोगशालाओं का उन्नयन	संयुक्त सचिव (सीपीडी)	49
3	स्टाफ की गुणवत्ता और प्रशिक्षण संबंधी मुद्दे	संयुक्त सचिव(स्थापना) एवं श्री आर.आर. मिश्रा, वरिष्ठ सलाहकार	49
	IV भावी एजेंडा		**50-57**
1	कोयले से रसायन : सिन गैस, हाइड्रोजन गैस, लिक्विड फ्यूल्स, रसायन और उर्वरक	सलाहकार(पी)	51-53
2	सीआईएलः अपने व्यवसाय में विविधता और सनराइज इंडस्ट्रीज में इलेक्ट्रिक चार्जिंग पॉड्स, ईवी आदि में संभावनाओं की खोज। यथोचित परिश्रम के बाद या नए व्यवसाय का अधिग्रहण और विलय	अपर सचिव(एमएन)	54-56
3	मजबूत मीडिया अभियान	संयुक्त सचिव (पीएंडएस) एवं श्री आर.आर. मिश्रा, वरिष्ठ सलाहकार	57
4	सीएसआर गतिविधियों की करीबी निगरानी	ईए	57 -62
	अनुबंध- 1		63-73
	अनुबंध- 2		74-91
	अनुबंध- 3		92-100

I कोयला क्षेत्र में सुधार

वर्ष 2021-22 के लिए एजेंडा

1. वित्तीय वर्ष 21-22 के लिए परियोजनाएं - एफएमसी (फर्स्ट माइल कनेक्टिविटी) के अंतर्गत निष्कर्षण परियोजनाओं सहित सीआईएल द्वारा 1 बि.ट. उत्पादन

एफएमसी परियोजनाएं:

39 एफएमसी परियोजनाएं शुरू की गई हैं और एफएमसी परियोजनाओं की स्थिति अनुबंध-1 (पृष्ठ 63-73) पर दी गई है।

खनन परियोजनाएं:

- वित्त वर्ष 2020-21 में तैयार की गई कोयला अवसंरचना योजना में 54 खनन परियोजनाएं शामिल हैं। इन परियोजनाओं में से, 42 परियोजनाओं को पहले ही अनुमोदन दिया जा चुका है और 12 परियोजनाओं (नई या विस्तार) अभी अनुमोदन दिया जाना है।
- इन 42 परियोजनाओं में से 31 परियोजनाएं उत्पादनरत हैं, 11 परियोजनाओं को अनुमोदन दिया जा चुका है लेकिन उत्पादनरत नहीं हैं।
- सीआईएल ने समीक्षा बैठक में उल्लेख किया है कि अधिकांश 12 गैर-अनुमोदित परियोजनाएं व्यवहार्य नहीं हैं और अव्यवहार्य परियोजनाओं के प्रतिस्थापन का अवलोकन किया जा रहा है।
- इन परियोजनाओं की निगरानी निम्नलिखित मापदंडों पर की जानी है-
  - पर्यावरण मंजूरी
  - वन मंजूरी
  - अनुमानित वर्ष-वार की तुलना में कैपेक्स व्यय

उपरोक्त मानदंड के लिए प्रत्येक परियोजना का विवरण अनुबंध **– 2 [पृ. 74-91] दिया गया है।**

2. झरिया मास्टर प्लान

परिचय

25.60 वर्ग किमी के अस्थिर क्षेत्रों / धंसाव और आग प्रभावित क्षेत्रों को कवर करने के लिए झरिया मास्टर प्लान तैयार किया गया था। तद्नुसार आग बुझाने के लिए एक तात्कालिक समयसीमा कार्य योजना तैयार की गई थी। मास्टर प्लान के तहत आग से निपटने के लिए आवश्यक अनुमानित पूंजी 2311.50 करोड़ रुपये है। 1971-73 में राष्ट्रीयकरण के समय, सतही आग क्षेत्र का विस्तार 17.32 वर्ग किमी था। बीसीसीएल ने एचईएमएम लगाकर उत्खनन के जरिए आग का पता लगाने की विधि अपनाई। नेशनल रिमोट सेंसिंग सेंटर (एनआरएससी), हैदराबाद समय-समय पर सर्वेक्षण कार्य करता है। एनआरएससी द्वारा पहला सर्वेक्षण वर्ष 2014 में किया गया था, उसके बाद वर्ष 2017 में और वर्ष 2020 के लिए वर्तमान सर्वेक्षण कार्य जारी है। बीसीसीएल के प्रयासों के कारण, आग प्रभावित क्षेत्र और अग्नि स्थलों की संख्या धीरे-धीरे कम हो रही है जैसा कि नीचे बताया गया है

वर्ष	72-73	2009	2012	2018	2020 (एनआरएससी की अंतरिम रिपोर्ट के अनुसार)
आग क्षेत्र (वर्ग किमी)	17.32	8.9	2.18	3.26	आग क्षेत्र का आकलन किया जाना है
अग्नि स्थलों की सं.	77	67	32	34	27

चल रहे कार्यों की वर्तमान स्थिति :

- वर्तमान में बीसीसीएल शेष 27 अग्नि स्थलों पर आग बुझाने के प्रयास कर रही है। सीएमपीडीआई ने बीसीसीएल के साथ मिलकर इन स्थलों पर आग का पता लगाने का प्रस्ताव तैयार किया है। सीएमपीडीआई द्वारा किए गए विश्लेषण के अनुसार, 15 स्थलों पर अग्निशमन कार्य आर्थिक रूप से व्यवहार्य हैं जबकि शेष 12 स्थलों के प्रस्ताव आर्थिक रूप से अव्यावहारिक हैं।

15 व्यवहार्य अग्नि पैच-

- आर्थिक रूप से व्यवहार्य 15 स्थलों के लिए बीसीसीएल ने आग का पता लगाने का कार्य सौंपा है। वर्तमान में 9 अलग-अलग फायर प्रोजेक्ट चल रहे हैं। (ये 9 परियोजनाएं 11 अग्नि स्थलों को कवर कर रही हैं।) शेष 4 स्थलों के लिए कार्य आवंटित कर दिया गया है और शीघ्र ही शुरू होने की उम्मीद है।

  (विवरण अनुबंध-3 (पृ. 92-100) में संलग्न है)

12 अव्यवहार्य अग्नि पैच-

- आर्थिक रूप से 12 अव्यवहार्य स्थलों के लिए सीएमपीडीआई द्वारा परियोजना प्रस्ताव तैयार किए जा रहे हैं। इसका संक्षिप्त उल्लेख नीचे दिया गया है:

क्र. सं.	कवर किए गए स्थलों की सं.	संबंधित अग्नि परियोजनाओं की संख्या	टिप्पणियां
1	4	एक	बीसीसीएल बोर्ड में प्रस्तुत किया गया, बोर्ड ने कुछ संशोधनों का सुझाव दिया। आगामी बीसीसीएल बोर्ड में संशोधित प्रस्ताव रखा जाएगा।
2	2	इन दो अग्नि स्थलों की परिधि के पास कोई आजीविका नहीं है। यह निर्णय लिया गया है कि इन दोनों स्थलों में ब्लैंकेटिंग के जरिए बुझाई जाएगी। ब्लैंकेटिंग की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और तीन महीने के भीतर इसके पूरा होने की संभावना है।	
3	1	एक	बीसीसीएल बोर्ड में प्रस्तुत किया गया, बोर्ड ने कुछ संशोधनों का सुझाव दिया। आगामी बीसीसीएल बोर्ड में संशोधित प्रस्ताव रखा जाएगा।
4	1	एक	प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है, 21 जून को बीसीसीएल बोर्ड के समक्ष रखा जाएगा।
5	1	एक	प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है, 21 जून को बीसीसीएल बोर्ड के समक्ष रखा जाएगा।
6	3	3 अग्नि स्थल डीबी रोड और माडा कॉलोनी और जलाशय के पास हैं। इन्हें शिफ्ट करने के लिए बीसीसीएल जिला प्रशासन से लगातार बातचीत कर रही है। सीएमपीडीआईएल द्वारा प्रस्ताव तैयार किए जा रहे हैं और जिला प्रशासन द्वारा जलाशय के स्थानांतरण सहित डीबी सड़कों और माडा कॉलोनी के डायवर्जन के बारे में समयसीमा और विवरण प्राप्त करने के बाद प्रस्तुत किए जाएंगे।	
कुल	12		

3. कोयला भंडारों के अन्वेषण में नियामक सुधार: प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल

ड्रिलिंग के साथ कोयले का अन्वेषण दो चरणों में किया जाता है।

- कोयला सीमों की पूर्वानुमानित उपस्थिति का पता लगाकर और इनका निर्दिष्ट और अनुमानित संसाधनों में वर्गीकरण करके कोयला सीमों, भूवैज्ञानिक अवसचरनाओं, ससाधनों आदि की व्यापक उपलब्धता का पता लगाने के अलावा पहले चरण में, 1-2 किमी बोरहोल की ड्रिलिंग के साथ 50 से 100 वर्ग किमी के विस्तृत क्षेत्रों में सवर्धानात्मक/क्षेत्रीय अन्वेषण (जी-3 श्रेणी) किया जाता है। केवल 2-4बीएचएस/वर्ग किमी वाले 20 - 50 वर्ग किमी ब्लाकों में संवर्धानात्मक अन्वेषण (जी-2 श्रेणी) के लिए आशाजनक क्षेत्रों में कार्य किया जा सकता है ताकि संसाधनों को जी-2 श्रेणी में लाया जा सके और इस प्रकार खान योजना और उत्पादन को सक्षम बनाने के लिए अनिश्चितताओं को कम किया जा सके।
- संसाधनों को प्रमाणित श्रेणी (मापित) में लाने और इस प्रकार खान योजना और उत्पादन को सक्षम बनाने के लिए अनिश्चितताओं को कम करने के अलावा 250मी.-400मी. में ज्यादा से ज्यादा क्लोज्ड स्पेस्ड ड्रिलिंग के साथ 5 से 30 वर्ग किमी. ब्लाकों में विस्तृत अन्वेषण (जी-1 श्रेणी) के लिए दूसरे चरण में और अधिक आशाजनक क्षेत्रों में कार्य किया जा सकता है।

2. वर्तमान पद्धति:

वर्तमान में संशोधित आईएसपी मानदंड 2017 के अनुसार कोयले का अन्वेषण किया जा रहा है, जिसमें यह भूवैज्ञानिक संसाधनों (अनुमानित, निर्दिष्ट और प्रमाणित), मोटाई और गहराई रेंज, और कोयला रैंक और गुणवत्ता विचारों के बढ़ते विश्वास के आधार पर कोयला ससाधनों को वर्गीकृत करता है। वर्तमान आईएसपी मानदंड के अनुसार, उच्चतम स्तर के विश्वास के साथ कोयले की मौजूदगी को स्थापित करने के लिए विस्तृत अन्वेषण (जी -1 श्रेणी) के आधार पर ही "मापित" या प्रमाणित संसाधनों का अनुमान लगाया जाता है। आईएसपी मानदंडों के अनुसार न्यूनतम बोरहोल स्पेसिंग 400*400 मीटर (लगभग 6-7 बोरहोल/वर्ग किमी) है।

2.1 इसके अलावा, क्षेत्रीय रूप से अन्वेषित क्षेत्र के संसाधनों को मुख्य रूप से (अधिकांश) निर्दिष्ट संसाधनों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। तुरंत ही पहले और/या ड्रिलिंग के साथ-साथ जहां बोरहोल आमतौर पर लगभग 1000 मीटर दूर मौजूद होता है, 1:10,000 के स्केल पर बड़े पैमाने पर भूवैज्ञानिक मैपिंग की जाती है। ब्लाक के स्ट्रेटीग्राफिक सेट-अप को समझने के लिए, कम से कम एक बोरहोल को जिस सीमा तक संभव हो कोयला धारक फार्मेशन के आधार तक ड्रिल करने की आवश्यकता है (जैसे तालचर फॉर्मेशन / मेटामॉर्फिक्स)(जी2 चरण)।

3. कोयला क्षेत्र में सुधार:

- कोयले के अन्वेषण में तेजी लाने की दृष्टि से, कोयला मंत्रालय ने कम बोर होल घनत्व के साथ समान स्तर का विश्वास सुनिश्चित करने के लिए ड्रिलिंग के साथ-साथ भूभौतिकीय तकनीकों (2डी और 3डी भूकंपीय) को शुरू करने के लिए कार्रवाई की है। तदनुसार, सीएमपीडीआई ने 15 अन्वेषण ब्लॉकों की पहचान की है जिनमें जी2 स्तर का अन्वेषण किया जा रहा है। इसके अलावा, कोयला मंत्रालय ने कोयला ब्लॉकों की पीएल सह एमएल नीलामी की अनुमति देने के लिए एमसीआर 1960 को भी संशोधित किया है और अन्वेषण पट्टे की आवश्यकता के साथ अन्वेषण करने के लिए अन्वेषण एजेंसियों को मान्यता दी है।

4 प्रस्तावित सुधार:

4.1 कोयला और लिग्नाइट को अब मिनरल एविडेंसिस एंड मिनरल कंटेट रूल में शामिल करने का प्रस्ताव किया गया है और अब अन्वेषण के जी3 स्तर पर खनन पट्टे की नीलामी करने का प्रस्ताव किया गया है, जिसमें संसाधन को स्थापित करने के लिए 2डी/3डी सिस्मिक के साथ प्रति वर्ग किलोमीटर एक बोर होल की आवश्यकता होगी।

4.2 एमसीआर [नियम -21 ख] के हालिया संशोधन के अनुसार, क्यूसीआई-एनएबीईटी को जीआर तैयार करने के लिए एजेंसी को मान्यता देना है। हालांकि, आईएसपी 2017 और एमसीआर में भी जीआर के अनुमोदन का कोई प्रावधान नहीं है। जैसा कि जीआर को मंजूरी देने के प्राधिकार पर फिर से विचार करने की जरूरत है और विषय पर स्पष्टता लाने के लिए आईएसपी को संशोधित करने की जरूरत है। उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, कोयला संसाधन आकलन, 2017 के लिए भारतीय मानक प्रक्रिया (आईएसपी) की धारा 1.5 के प्रावधानों के तहत एक समिति का गठन करने का प्रस्ताव है। समिति की संरचना निम्नानुसार होगी:

क्र. सं.	अधिकारियों का विवरण	समिति मे पदनाम
1	परियोजना सलाहकार, कोयला मंत्रालयMoC	अध्यक्ष
2	निदेशक सीआरडी, सीएमपीडीआई	सदस्य
3	जीएसआई के प्रतिनिधि: निदेशक स्तर	सदस्य
4	एचओडी भूविज्ञान, एनएलसीआईएल	सदस्य
5	जीएम अन्वेषण, सीएमपीडीआई	सदस्य सचिव

4.2 कोयला अन्वेषण के लिए 2डी/3डी भूकंपीय प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल:

कोयला मंत्रालय द्वारा विस्तृत अन्वेषण के तहत अन्वेषण कार्यक्रम में भूभौतिकीय सर्वेक्षणों को उपयुक्त रूप से शामिल करके कोयले और लिग्नाइट के अन्वेषण की गति को बढ़ाने और भूभौतिकीय तकनीकों का उपयोग करते हुए क्षेत्रीय अन्वेषण/संवर्धनात्मक अन्वेषण के अंतर्गत व्यवहार्य संसाधनों की संभव उपस्थिति का पता लगाने के लिए सतह और उप-सतह अन्वेषण के लिए बड़े सीमांकित क्षेत्र में कार्य करने की योजना बनाई है।

4.2.1 सीएमपीडीआई द्वारा किए गए अध्ययन के आधार पर, खनन पट्टे की नीलामी के लिए कोयला संसाधनों को स्थापित करने के लिए 2डी और 3डी भूकंपीय सर्वेक्षण के साथ 2-3 बोर होल की ड्रिलिंग पर्याप्त होगी। यह न केवल गैर सीआईएल ब्लॉकों में विस्तृत ड्रिलिंग पर भारी सरकारी खर्च को बचाएगा बल्कि अन्वेषण कार्यक्रम में भी गति आएगी जिससे कोयला ब्लॉकों के प्रचालन में लगने वाले समय में कमी आएगी।

4.2.2 इसके अलावा, पीएल सह एमएल लाइसेंस प्रदान करने के लिए, ब्लॉकों के आवंटन के लिए 1 बोर होल प्रति वर्ग किमी के साथ भूभौतिकीय सर्वेक्षण की आवश्यकता होनी चाहिए। ऐसे ब्लॉकों के अन्वेषण कार्यक्रम का निर्णय उस समिति द्वारा किया जा सकता है जिसे सीजीपीबी द्वारा गठित किया जा सकता है जैसा कि एजेंडा में अलग से उल्लेख किया गया है।

4.2.3 सीएमपीडीआई अध्ययनों ने कई लाभों पर प्रकाश डाला है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल से ड्रिलिंग को शामिल करते हुए परंपरागत अन्वेषण से भी कम अन्वेषण लागत में प्रति वर्ग किमी लगभग 20% तक कमी आएगी और अन्वेषण की गति में काफी तेजी आएगी।

(क) कोयले के अन्वेषण में 2डी/3डी भूकंपीय सर्वेक्षण के लाभ हैं - समय और लागत के हिसाब से किफायती होना, बोरहोल इष्टतमीकरण, पूरे ब्लॉक की बेहतर संरचना का खाका, प्रत्येक 5 मी / 10 मी पर डेटा नियंत्रण, कोयला सीमों को तैयार करना और निकालना, फॉल्ट पॉजिशन का सटीक सीमांकन, मैग्नेटिक, प्रतिरोधिता जैसी अन्य भूभौतिकीय विधियों के साथ जोड़ना, डाइक, सिल्स इत्यादि जैसे अंतर्वेधनों के मामले में और अधिक जानकारी मिलना।

(ख) कोयला अन्वेषण में 2डी/3डी भूकंपीय सर्वेक्षण की सीमाएं हैं अर्थात पतली सीमों और बैंड्स की रूपरेखा, संसाधन आकलन रिजॉल्व करने योग्य बेड की मोटाई तक सीमित होना, गुणवत्ता की कोई जानकारी नहीं, कोयला सीमों की गहराई बनाम समाधान। तथापि, गुणवत्ता की जानकारी को 1 बोरहोल द्वारा अनुपूरक किया जाएगा जिसे 2डी/3डी भूकंपीय सर्वेक्षण के साथ नियोजित किया जाता है।

5. कोयला मंत्रालय ने 12.5.2021 को खान मंत्रालय से आईएसपी 2017 में संशोधन करने का अनुरोध किया है ताकि कोयला मंत्रालय द्वारा किए गए सुधारों को वास्तविक रूप से लागू किया जा सके।

6. समयसीमा: खान मंत्रालय से जून 2021 तक सीजीपीबी-वी की बैठक बुलाने और आईएसपी को सितंबर 2021 तक संशोधित करने का अनुरोध किया जाएगा। इससे जी1 स्तर (विस्तृत ड्रिलिंग) पर प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल की सुविधा मिलेगी और विशेष रूप से कोयला ब्लॉकों की पीएल सह एमएल नीलामी के मामले में जीआर के अनुमोदन की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित किया जाएगा।

4. कोयला परिष्करण

- सीआईएल ने गैर-कोकिंग कोयले सहित कोयले की धुलाई को बढ़ाने की योजना बनाई है ताकि राख प्रतिशत को कम करके और कोयले के ग्रेड में सुधार करके कोयले की गुणवत्ता में सुधार किया जा सके। एमसीएल में 03 गैर-कोकिंग कोयला वॉशरी सहित 12 वाशरी स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। सीसीएल में पांच नई कोकिंग कोयला वाशरी का निर्माण प्रस्तावित है [चरण-I में 02 और चरण-II में03]। बीसीसीएल में 04 नई कोकिंग कोयला वाशरी निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं। प्रस्तावित नई वाशरियों की कुल फीड कैपेसिटी 60 मिलियन टन है [9 कोकिंग कोयला वाशरियों की कुल 30 एमटीपीए और 03 गैर कोकिंग कोयला वाशरियों की 30 एमटीपीए], जिनका विवरण निम्नानुसार है-

क्र. सं.	नाम	एमटीपीए में क्षमता	कंपनी	टिप्पणियां
1.	मधुबंध	5.00	बीसीसीएल	निर्माणाधीन
2.	भोजूडीह	2.00	बीसीसीएल	
3.	पाथेरडीह	2.5	बीसीसीएल	
4.	मूनीडीह	2.5	बीसीसीएल	पुन: निविदा मंगाना
5.	बसंतपुर-तापिन	4.0	सीसीएल	चरण I
6.	न्यू कथारा वॉशरी	3.0	सीसीएल	चरण I
7.	न्यू राजरप्पा	3.0	सीसीएल	चरण II
8.	कारो	5.0*	सीसीएल	चरण II
9.	तोपा	3.0*	सीसीएल	चरण II
उपरोक्त कोकिंग कोयला वाशरी हैं जबकि नीचे गैर-कोकिंग हैं				
10.	आई बी वैली	10.00	एमसीएल	
11.	हिंगुला	10.00	एमसीएल	
12.	जगन्नाथपुर	10.00	एमसीएल	

*कोयले की मांग और उपलब्धता के अनुसार क्षमता में संशोधन किया जा सकता है

डिलीवरी के समय धुले हुए कोकिंग कोयले की गुणवत्ता में सुधार सुनिश्चित करने के लिए, चार चरणों में प्रयास करने की आवश्यकता है : -

- वाशरी के और अधिक नियमित प्रचालन के लिए कच्चे कोकिंग कोयले की नियमित गुणवत्ता आपूर्ति के लिए यूजी कोयला खनन पर जोर - पुरानी मूनीडीह वाशरी द्वारा उत्पादित धुले कोयले की गुणवत्ता अन्य वाशरियों की तुलना में बेहतर है क्योंकि यू/जी मूनीडीह वाशरी को कोयले की निरंतर गुणवत्ता प्रदान करती है जबकि अन्य पुरानी वाशरियों को मुख्य रूप से ओपन कास्ट खानों के कोयले से आपूर्ति की जाती है, जिसमें गुणवत्ता में व्यापक भिन्नता होती है। बीसीसीएल ने एमडीओ मोड के तहत यहां तक कि केवल 9.7% आईआरआर वाली वाशरी के साथ जुड़ी कपूरिया यू/जी खनन परियोजना पर जाने का निर्णय लिया है।
- उत्पादन के दौरान उत्पाद की गुणवत्ता सुनिश्चित करना -
  - उत्पादन के दौरान उत्पाद की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए, वाशरी में प्रक्रिया नियंत्रण प्रणाली के साथ जुड़े ऑन-स्ट्रीम ऐश एनालाइज़र स्थापित किए जाने की आवश्यकता है।
  - नई चालू हुई दहीबारी वाशरी में सर्किट में सिस्टम लगाया गया है। अन्य बीओएमओ वाशरियों को भी प्रक्रिया नियंत्रण प्रणाली से जुड़े ऑन-स्ट्रीम ऐश एनालाइज़र को शामिल करते हुए डिजाइन किया गया है।
  - पुरानी वाशरियों के मामले में, प्रक्रिया नियंत्रण प्रणाली के साथ जुड़े ऑन-स्ट्रीम ऐश एनालाइज़र को रेनोवेशन योजना/सर्किट में शामिल किया गया है।

- लोडिंग के समय उत्पाद की गुणवत्ता सुनिश्चित करें -
  - लोडिंग के समय उत्पाद की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए, न्यूनतम मानवीय हस्तक्षेप वांछित है। धुलाई के उत्पाद को साइलो/बंकरों में स्टोर करने की आवश्यकता है; और इसे सीधे बेल्ट कन्वेक्टर/रैपिड लोडिंग सिस्टम के माध्यम से वैगनों पर लोड किया जाना चाहिए।
  - बीसीसीएल की पुरानी वाशरियों को बंकरों से ही वाशरी उत्पादों को लोड करने के लिए डिजाइन किया गया था।
  - नई वाशरियों को रैपिड लोडिंग सिस्टम के जरिए उत्पादों को लोड करने के लिए डिजाइन किया गया है।
  - उपभोक्ता संतुष्टि सुनिश्चित करने के लिए वैगनों पर लोड किए गए उत्पादों की वास्तविक गुणवत्ता का आकलन करने के लिए थर्ड पार्टी सैंपलिंग एजेंसी को वैगनों से नमूना लेने के लिए लगाया गया है।

- परिवहन/डिलीवरी के दौरान मिलावट को रोकना - परिवहन या लोडिंग के दौरान मिलावट की रोकथाम बीसीसीएल के नियंत्रण में नहीं है। तथापि, यह समझा जाता है कि सेल संयंत्र अनलोडिंग और बाद में अपने संयंत्र तक परिवहन की प्रक्रिया में मानवीय हस्तक्षेप को कम करने के लिए उचित उपाय करते हैं।

19

5.कोयला खानों में सुरक्षा

सरकार कोयला खानों में सुरक्षा उपायों को लागू करने को सर्वोच्च महत्व देती है और कोयला खानों के राष्ट्रीयकरण में मुख्य उद्देश्यों में से एक कोयला खानों में सुरक्षा में सुधार करना था। इस संबंध में, सरकार ने सचिव (कोयला), सचिव (श्रम), कोयला कंपनियों के सीएमडी, खान सुरक्षा महानिदेशक (डीजीएमएस) और सदस्यों के रूप में ट्रेड यूनियनों के प्रतिनिधियों और संयुक्त सचिव इन-चार्ज (सुरक्षा), सदस्य सचिव के रूप में कोयला मंत्रालय के साथ कोयला मंत्री की अध्यक्षता में कोयला खानों में सुरक्षा संबंधी स्थायी समिति का गठन किया है ताकि खान अधिनियम और खान विनियमन के तहत सुरक्षा प्रावधानों को लागू करने पर नजर रखी जा सके।

20

2. सुरक्षा संबंधी स्थायी समिति की 5.1.2021 को आयोजित 45वीं बैठक में यह नोट किया गया था कि:

2.1 सीआईएल के दुर्घटना आंकड़ों पर एक नजर -

क्र. सं.	मानदंड	2016	2017	2018	2019	2020
1	घातक दुर्घटनाओं की संख्या	38	34	33	30	29
2	मृतकों की संख्या	61	37	43	34	30
3.	गंभीर रूप से घायलों की संख्या	123	108	98	90	80

2.2 सुरक्षा की स्थिति को दर्शाने वाले सभी दुर्घटनाओं के सांख्यिकीय मानदंड समय के साथ लगातार कम हो रहे हैं। 1975 में शुरूआत के बाद से 2020 में सबसे कम मौतें (30) हुई थीं। इसके अलावा, 1975 में शुरूआत के बाद से 2020 में गंभीर रूप से घायलों की संख्या (80) सबसे कम थी।

3. खान सुरक्षा को और बेहतर बनाने के लिए पिछले वर्ष के सबसे अधिक 03 कारणों से होने वाली दुर्घटनाओं को समाप्त करने पर विशेष जोर देने का निर्णय लिया गया है। सभी कोयला कंपनियों को स्पष्ट कार्रवाई बिंदु तैयार करने और उक्त योजना के क्रियान्वयन के लिए पर्याप्त संसाधन आवंटित करने और निगरानी तंत्र विकसित करने की सलाह दी गई है। दिनांक 27.04.2021 को सभी कोयला कंपनियों से अनुरोध किया गया है कि इस संबंध में उनके मंत्रालय को प्राथमिकता के आधार पर कार्य योजना उपलब्ध कराएं।

4. गत वर्ष के सर्वाधिक 03 कारणों से होने वाली दुर्घटनाओं को समाप्त करने पर विशेष बल देने के लिए प्रस्तावित कार्य योजना इस प्रकार है-

क्र. सं.	मानदंड	नियत तारीख
1	2020 में दुर्घटनाओं के प्रमुख कारणों की पहचान	31.5.2021
2	स्पष्ट कार्य बिंदु तैयार करना	7.6.2021
3	उक्त योजना के क्रियान्वयन के लिए पर्याप्त संसाधनों का आवंटन	15.6.2021
4	निगरानी तंत्र विकसित करना	20.6.2021
5.	उपरोक्त जानकारी इस मंत्रालय को प्रस्तुत करना	25.6.2021

5. यह मंत्रालय इस माह के अंत तक उपरोक्त सूचना सुरक्षा संबंधी उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति को भेजेगा, जो इस संबंध में कोयला कंपनियों द्वारा की गई कार्रवाई की बारीकी से निगरानी करेगी और कोयला कंपनियों को प्रभावी कार्यान्वयन के लिए सलाह देगी।

6. कोकिंग कोयला कार्यनीति

क. कोकिंग कोल कार्यनीति को अंतिम रूप देने और अन्वेषण, उत्पादन के लिए मिशन शुरू करना तथा मांग पूरा करने के लिए और अधिक परिष्करण करना

ख. इस्पात बनाने के लिए धातुकर्म उपयोग के लिए कोकिंग कोयले के आयात को कम करने के लिए, मंत्रालय स्तर पर कोकिंग कोल मिशन की स्थापना की गई है, जिसकी निगरानी अपर सचिव (कोयला) दवारा कोकिंग कोयला उत्पादन बढ़ाने और देश में इस्पात बनाने के लिए धातुकर्म कोयले की अधिकतम मात्रा उपलब्ध कराने के लिए की जाती है। कोकिंग कोल मिशन के तहत इस्पात क्षेत्र दवारा घरेलू कोकिंग कोयले की वृद्धि और खपत पर सुझाव देने के लिए अपर सचिव (कोयला) के अधीन दो समितियों का गठन किया गया है -

1. अंतर-मंत्रालयी समिति
2. तकनीकी सलाहकार समूह

अंतर-मंत्रालयी समिति का अधिदेश निम्नानुसार है-

- कोकिंग कोयले को बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय कार्यनीति का सुझाव देना और प्रोजेक्टाइज्ड तथा और अधिक कोकिंग कोयले के अन्वेषण के लिए रोड मैप का सुझाव देना।
- उन्नत प्रौद्योगिकी के जरिए राख प्रतिशत को कम करने के लिए कोकिंग कोयले के परिष्करण के लिए आरंएडडी का सुझाव देना
- कोकिंग कोल वाशरीज स्थापित करने के लिए निजी क्षेत्र को बढ़ाने की पद्धति
- घरेलू कोकिंग कोयले की जांच करना और प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण कार्यनीति का सुझाव देना
- ब्लास्ट फर्नेस को नया स्वरूप देने के लिए ब्लास्ट स्टील सेक्टर को प्रोत्साहन का सुझाव देना
- कोकिंग कोयले की गुणवत्ता के मुद्दे का समाधान और कोकिंग कोयला में सुधार के उपाय सुझाना

तकनीकी सलाहकार समूह का अधिदेश निम्नानुसार है-

- कोकिंग कोयला में और अधिक अन्वेषण संभावना तलाशना
- डीप सीटिड और स्टरलाइज़ कोकिंग कोयले में कोकिंग कोयले की संभावनाएं
- झरिया मास्टर प्लान के कार्यान्वयन के साथ कोकिंग कोयले के अन्वेषण की संभावना
- कोकिंग कोयला धुलाई प्रतिफल प्रतिशत में सुधार की विधियां सुझाना
- ब्लास्ट फर्नेस में उपयोग करने के लिए आयात कोकिंग कोयले के साथ घरेलू कोकिंग कोयला ब्लेंडिंग प्रतिशत में सुधार करने की विधियां सुझाना

4. कोकिंग कोल मिशन के तहत अंतर-मंत्रालयी समिति की दो बैठकें पहले ही हो चुकी हैं। अगली बैठक अगले महीने होनी है। तकनीकी सलाहकार समूह की भी एक बैठक हो चुकी है। कोकिंग कोल मिशन हेतु समिति की रिपोर्ट/सिफारिशें अगले माह प्रस्तुत की जाएंगी।

5. समिति की अंतिम सिफारिशों और इसके बाद की स्वीकृति के अनुसार, इस्पात क्षेत्र द्वारा घरेलू कोकिंग कोयले की वृद्धि और खपत के लिए एक रोड मैप तैयार किया जाएगा। घरेलू कोकिंग कोयला उत्पादन के इष्टतम उपयोग के उद्देश्य को पूरा करने के लिए यदि आवश्यक हुआ तो कुछ उपयुक्त कठोर कार्रवाई की जाएगी।

6. 2029-30 तक सीआईएल की नौ कोकिंग कोयला वाशरियां स्थापित करने की योजना है, जिससे धुलाई क्षमता बढ़कर 44.63 मिलियन टन हो जाएगी और वॉश्ड कोयला उत्पादन 2020-21 में 1.17 मिलियन से बढ़कर 2029-30 में 17.33 मिलियन टन हो जाएगा।

7. बीसीसीएल में दहिबारी (1.6 मि.ट.) और पाथेरडीह (5.0 मि.ट.) नामक दो नई वाशरियों का निर्माण किया गया है। इन दो नई वाशरियों के निर्माण और आपूर्ति क्षमता के साथ, बीसीसीएल बेहतर गुणवत्ता के साथ अपने धुले हुए कोकिंग कोयले के उत्पादन को बढ़ाने में सक्षम होना चाहिए।

8. बीसीसीएल ने एक मिलियन टन कोकिंग कोयले की धुलाई के लिए टाटा स्टील के साथ समझौता किया है जिससे धुले कोयले के उत्पादन के आंकड़ों में और सुधार होगा। टाटा स्टील बीसीसीएल से आपूर्ति को 1.0 मि.ट. से बढ़ाकर 1.5 मि.ट. कर सकती है।

9. कोयला मंत्रालय की यह नीति है कि घरेलू उत्पादन के साथ कोकिंग कोयले की मांग को पूरा करने के लिए वाशरी स्थापित करने हेतु विशेष रूप से इस्पात क्षेत्र की प्राइवेट पार्टी की भागीदारी को प्रोत्साहित किया जाए। कोकिंग कोयला ब्लॉकों के अन्वेषण पर जोर दिया जा रहा है। कोकिंग कोयले की उपलब्धता को अधिकतम करने के लिए इस्पात क्षेत्र को ब्लॉकों के आवंटन के लिए नीलामी हेतु और अधिक कोकिंग कोयला ब्लॉक शामिल करने का प्रस्ताव है।

7. मार्केटिंग सुधार

वितरित कोयले की कीमत में कटौती सुनिश्चित करने के लिए ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म को चालू किया जाना है। 7 बोलियां प्राप्त हुईं और कंसल्टेंसी इवैल्यूएशन कमेटी द्वारा मूल्यांकन के बाद, सीआरआईएसआईएल रिस्क एंड इंफ्रास्ट्रक्चर सॉल्यूशंस लिमिटेड को सफल बोलीदाता घोषित किया गया। माननीय कोयला मंत्री ने कोयला व्यापार एक्सचेंज स्थापित करने की प्रक्रिया में कोयला मंत्रालय की सहायता के लिए कार्यनीतिक और कार्यान्वयन प्रबंधन परामर्श सेवाएं प्रदान करने के लिए सलाहकार की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। सीआरआईएसआईएल रिस्क एंड इंफ्रास्ट्रक्चर सॉल्यूशंस लिमिटेड को लेटर ऑफ अवार्ड जारी किया गया है।

8. कोयला मूल्य निर्धारण सुधार- 01.01.2000 से कोयले की कीमतों के पूर्ण विनियंत्रण के बाद मूल्य वर्धन और वैश्विक कंपनियों के साथ साझेदारी के माध्यम से आयात प्रतिस्थापन की संकल्पना की गई है, सीआईएल और इसकी सहायक कंपनियों द्वारा उत्पादित कच्चे कोकिंग कोयले और गैर-कोकिंग कोयले का आधार मूल्य सीआईएल तय करता है। सीआईएल को 'जीसीवी आधारित मूल्य निर्धारण' की जांच करने और इनपुट प्रदान करने के लिए कहा गया है। सीआईएल ने 25.05.2021 को सूचित किया है कि अवधारणा नोट/विवरण तैयार किया जा रहा है और इसे अंतिम रूप देने से पहले सक्षम प्राधिकारी के साथ विचार-विमर्श किया जाना है।

9. भूमि अधिग्रहण में सुधार:- एनपीवी पर आधारित मुआवजा-वार्षिकी/अग्रिम भुगतान के मॉडल पर पुन: विचार करना

- चिंतन शिविर, फरवरी 2020 में अपर सचिव (कोयला) द्वारा "काश्तकारी भूमि खरीद के वैकल्पिक मॉडल अर्थात राजस्व शेयरिंग के आधार पर पट्टे" पर एक प्रस्तुति दी गई थी। इस वैकल्पिक मॉडल पर सीआईएल, एससीसीएल और एनएलसीआईएल की टिप्पणियां माननीय कोयला मंत्री को प्रस्तुत की गई।
- माननीय मंत्री ने सलाह दी कि क्या इसे भूमि अधिग्रहण का एक वैकल्पिक तरीका बनाया जा सकता है और सुझाव दिया कि इस विषय को आगामी चिंतन शिविर में विचार-विमर्श के लिए एजेंडा बिंदु के रूप में भी शामिल किया जा सकता है।

10. सौर विद्युत परियोजनाएं

कोयला विविधीकरण के तहत सौर परियोजनाएं :

(क) <u>कोल इंडिया लिमिटेड</u>

1. सीआईएल और इसकी सहायक कंपनियों में कुल स्थापित सौर परियोजना क्षमता 5.312 मे.वा. है।
2. 465.1 मे.वा. क्षमता की सौर ऊर्जा परियोजनाएं पाइपलाइन में हैं जिनमें 10.1 मे.वा. रूफटॉप और 455 मे.वा. ग्राउंड माउंटेड परियोजनाएं शामिल हैं।

उन सौर परियोजनाओं का सारांश जो पाइपलाइन में है:

क. सौर परियोजनाएं: 10.1 मे.वा. क्षमता की सभी रूफटॉप परियोजनाओं को 2021-22 के भीतर पूरा किया जाना निर्धारित है।

ख. ग्राउंड माउंटेड परियोजनाएं:

डीपीआर तैयार किया गया-260 मे.वा. (06 परियोजनाएं)

निविदा मंगाई गई-95 मे.वा. (03 परियोजनाएं)

कार्य आदेश जारी किया गया–100 मे.वा. (01 परियोजना)

3. सीआईएल और सहायक कंपनी के लिए नेट जीरो एनर्जी कंपनी बनने का रोडमैप निम्नानुसार है:

वित्तीय वर्ष	2020-2021	2021-2022	2022-2023	2023-2024	कुल
मे.वा. में क्षमता	6 (पूर्ण)	291	1500	1213	3000

(ख) एनएलसीआईएल

- एनएलसीआईएल ने 1421 मेगावाट क्षमता की अक्षय ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित की हैं।
- एनएलसीआईएल ने बुनियादी ढांचा योजना के तहत 1000 मेगावाट सौर ऊर्जा परियोजनाओं को स्थापित करने का प्रस्ताव रखा है।
- एनएलसीआईएल 1200 मेगावाट क्षमता के कोप्पल सोलर पार्क में एसईसीआई निविदा में सीआईएल (सीएलयूवीपीएल) के साथ संयुक्त उद्यम के माध्यम से भाग लेने का भी प्रस्ताव करता है। एसईसीआई द्वारा संशोधित विन्यास और दायरे के साथ नई निविदा जारी करने की उम्मीद है।
- सीआईएल ने एमओसी के माध्यम से डीपीई से उनके निवल मूल्य के 30% से अधिक के निवेश प्रस्तावों के लिए अनुमति मांगी है।
- एनएलसीआईएल निम्नलिखित निविदाओं में भाग लेने का प्रस्ताव करता है:
- इरेडा-एनएलसीआईएल द्वारा जारी सौर सीपीएसई योजना चरण-II ने 510 मेगावाट के लिए बोली प्रस्तुत की है।
- 1785 मेगावाट एसईसीआई निविदा (राजस्थान परियोजनाएं) बोली 21 मई 2021 को जमा की जानी है। एनएलसीआईएल बोलियां जमा करेगा।
- एसईसीआई द्वारा 1200 मेगावाट की हाइब्रिड सोलर टेंडर जारी की गई है – बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 28.05.2021 है। एनएलसीआईएल बोलियां जमा करेगा।
- निर्माण के तहत सौर परियोजनाओं के लिए प्रस्तावित कैपेक्स योजना

परियोजना	2021-22	2022-23	2023-24
सीआईएल जेवी- सोलर (एनएलसी शेयर-50%) (1200 मेगावाट)	846	1410	564
सीपीएसई योजना के तहत 510 मेगावाट सौर	842	1403	561
राजस्थान सौर परियोजना	334	556	223
कुल (सौर)	2022	3369	1348

नोट: व्यवहार्यता और निविदाओं को प्राप्त करने के अधीन।

- उपरोक्त के अलावा, एमएनआरई के निर्देशों के अनुरूप, एनएलसीआईएल ने टैंजेडको और पीएफसीसीएल के साथ एक संयुक्त उद्यम कंपनी बनाकर 2000 मेगावाट की प्रस्तावित क्षमता के साथ अल्ट्रा मेगा रिन्यूएबल पावर पार्क (यूएमआरईपीपी) स्थापित करने का प्रस्ताव किया है। नवंबर 2019 को एमओयू दर्ज किया गया और संबंधित जेवी पार्टनर्स जेवी कंपनी के गठन के लिए बोर्ड की मंजूरी पर विचार किया जा रहा है। टीएएनजीडीसीओ ने फरवरी 2021 के दौरान भूमि की खरीद के लिए निविदा जारी की है और यह प्रक्रियाधीन है।

(ग) <u>सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड</u>

- सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड में, औसत वार्षिक विद्युत ऊर्जा खपत लगभग 720 मिलियन यूनिट है, जिसमें 130 से 140 एमवीए की अधिकतम मांग दर्ज की गई है।
- एससीसीएल बोर्ड ने 2019 में एससीसीएल कमांड क्षेत्र में खाली भूमि, ओवरबर्डन डंप, एसटीपीपी में जल भंडार और ओपनकास्ट खदान में जल भंडार स्थापित करने के लिए 300 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने की मंजूरी दी।
- अब तक 152 मेगावाट के सौर ऊर्जा संयंत्र चालू हो चुके हैं और शेष दिसंबर 2021 तक चरणबद्ध तरीके से चालू हो जाएंगे।
- एससीसीएल आई एंड सीएडी जलाशयों, लोअर मानेर बांध, तेलंगाना राज्य के जल सतह क्षेत्र पर 350 मेगावाट की अन्य फ्लोटिंग सौर पीवी परियोजनाओं की स्थापना की संभावना तलाश रहा है।

11. कोयला प्रेषण और स्टॉकिंग

विद्युत गृहों की कोयले की आवश्यकता का अनुमान लगाया गया और सीआईएल के साथ साझा किया गया। सहायक कंपनी-वार वितरण भी 12.04.2021 को सीआईएल को सूचित किया गया था। 27.04.2021 को, सीआईएल ने मांग अनुमानों के साथ सहमति व्यक्त की और विद्युत क्षेत्र के लिए कोयला प्रेषण की योजना प्रस्तुत की।

12. पड़ोसी देशों में कोयला निर्यात:

सीआईएल द्वारा पड़ोसी देशों को कोयले के निर्यात पर एक प्रस्तावित नीति कोयला मंत्रालय को भेज दी गई थी।

सीआईएल को सुझाव दिया गया है कि निर्यात के उद्देश्य से कोयले की बिक्री के लिए सीआईएल की स्पेशल स्पॉट ई-नीलामी/स्पॉट ई-नीलामी विंडो का उपयोग किया जा सकता है। इसके अलावा, जिस कोयले का घरेलू बाजार में उपयोग/बिक्री नहीं की जा सकती है, उसका निर्यात ही किया जाना चाहिए। सीआईएल घरेलू मांग को पूरा करने के बाद कोयले के निर्यात के लिए पड़ोसी देशों द्वारा मंगाई गई निविदाओं में भी भाग ले सकती है। इसके अलावा, पड़ोसी देशों के व्यापारी/कोयला उपभोक्ता भी सीआईएल की स्पेशल स्पॉट ई-नीलामी/स्पॉट ई-नीलामी विंडो में भाग ले सकते हैं।

13. नीलामी के माध्यम से आवंटित खानों के कोयला उत्पादन को बढ़ावा देने की रणनीति।

नीलामी के माध्यम से आवंटित खानों के कोयला उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए निम्नलिखित कदमों पर विचार किया जा रहा है:

क. पीएमयू के दायरे में वृद्धि: परियोजना निगरानी इकाई (पीएमयू) को कोयला मंत्रालय द्वारा अप्रैल 2020 में 43 कोयला खानों के शीघ्र संचालन के लिए विभिन्न अनुमोदन / मंजूरी प्राप्त करने के लिए कोयला ब्लॉक आवंटियों की सहायता के लिए लॉन्च किया गया था। केपीएमजी को पीएमयू के रूप में नियुक्त किया गया था और समझौते को 05.06.2020 को निष्पादित किया गया था। पीएमयू जल्द से जल्द मंजूरी देने की सुविधा के लिए संबंधित केंद्र और राज्य सरकारों के साथ भी बातचीत करता है।

इस लाभ को और अधिक संख्या में ब्लॉकों को प्रदान करने के लिए और बड़ी संख्या में अनापत्तियां प्रदान करने और अधिक संख्या में उत्पादन करने हेतु शेष और हाल ही में आवंटित कोयला खानों (37 खानों) को भी पीएमयू के दायरे को बढ़ाकर पीएमयू के दायरे में लाया जाएगा।

ग. कोयला ब्लॉकों के अभ्यर्पण पर एमनेस्टी योजना: आवंटित कोयला ब्लॉकों से उत्पादन में तेजी लाने और व्यापार में आसानी के लिए, उन आवंटियों को कोयला ब्लॉकों के अभ्यर्पण की अनुमति देने के लिए एक योजना तैयार की जाएगी जहां वर्तमान आवंटिति तकनीकी या आर्थिक कारणों से कोयला ब्लॉक विकसित करने की स्थिति में नहीं है। यह योजना जांच समिति द्वारा प्रस्ताव की जांच के बाद योग्यता के आधार पर वित्तीय दंड या जुर्माना लगाए बिना कोयला ब्लॉक के अभ्यर्पण की अनुमति देगी। इस योजना के तहत अभ्यर्पण किए गए कोयला ब्लॉकों को कोयला ब्लॉक के शीघ्र संचालन के लिए वाणिज्यिक खनन के लिए तुरंत नीलामी के लिए पेश किया जाएगा।

घ. एनएलसीआईएल और एससीसीएल के माध्यम से अतिरिक्त कोयले की बिक्री की अनुमति:

अपने कोयला उत्पादन लक्ष्य को पूरा करने के लिए, सीआईएल साल दर साल अपने कोयला उत्पादन में वृद्धि कर रही है और इसलिए सीआईएल के लिए अपने कोयले के अलावा अन्य कोयला खानों के अतिरिक्त कोयले को बेचना मुश्किल होगा। कुछ आवंटितियों ने सीआईएल के माध्यम से अपनी कैप्टिव खदान से अतिरिक्त कोयले की बिक्री और प्रेषण के लिए आने वाली कठिनाई का मुद्दा भी उठाया है। इस मुद्दे को हल करने के लिए, कैप्टिव कोयला खानों के आवंटितियों को सीएमडीपीए/सीबीडीपीए में उल्लिखित नियमों और शर्तों पर सीआईएल के अलावा किसी भी पीएसई के माध्यम से अतिरिक्त कोयला बेचने का अतिरिक्त विकल्प प्रदान किया जाएगा।

ड. अतिरिक्त कोयला उत्पादन की बिक्री की अनुमति देना:

देश में कोयले की बढ़ी हुई मांग को पूरा करने के लिए एक योजना तैयार की जा रही है जिससे आवंटितियों को अपनी कैप्टिव जरूरतों को पूरा करने के बाद उत्पादित कोयले की 50% तक बिक्री की अनुमति मिल सके। आवंटितियों को प्रोत्साहन उन्हें अधिक कोयले का उत्पादन करने और बाजार में बेचने के लिए प्रेरित करेगा।

च. रोलिंग नीलामी:

नीलामी करने की प्रक्रिया में तेजी लाने और एक वर्ष में नीलामी के और अधिक दौर करने के लिए, कोयला खानों की नीलामी को चालू करने की एक व्यवस्था की योजना बनाई गई है। इस तंत्र के तहत, किसी दौर की इलेक्ट्रॉनिक नीलामी प्रक्रिया (यानी नीलामी प्रक्रिया शुरू होने के लगभग 3-4 महीने) के पूरा होने पर, नीलामी का अगला दौर निम्नलिखित खानों के लिए शुरू की जाएगी:

- खदानें जहां नीलामी को पिछली किश्त में कोई बोली प्राप्त नहीं हुई थी या केवल एकल बोली प्राप्त हुई थी (उन खानों को छोड़कर जहां कोयला मंत्रालय नीलामी के दूसरे प्रयास का निर्णय लेता है)
- कोयला मंत्रालय द्वारा पहचान की गई नई खदानें, यदि कोई हों

II कोयला बदलाव एवं संधारणीयता

1. कोयला बदलाव के सामाजिक पहलू- नेशनल फाउंडेशन ऑफ इंडिया की तर्ज पर- स्थानीय समुदायों पर कोयला बदलाव का अध्ययन।

सतत विकास प्रकोष्ठ (एसडीसी) "न्यायसंगत बदलाव" के साथ खान बंद करने से संबंधित पहलुओं में विश्व बैंक(डब्ल्यूबी) की तकनीकी सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया में है। विश्व बैंक के साथ सहयोग से एक सहायता क्षेत्र है खान बंद होने पर सामाजिक परिस्थिति का समाधान करना है जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि खानों के बंद होने के कारण प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कोयला खनन गतिविधियों पर निर्भर कोई भी व्यक्ति अपनी आजीविका नहीं खोए है और इसके द्वारा बनाए गए सामाजिक बुनियादी ढांचे को भी बनाए रखा जाए एवं कार्य करती रहें।

2021-22 के लिए कार्यकलाप

क्र.सं.	कार्यकलाप	अनुमानित समय सीमा	अभ्युक्ति
1.	डब्ल्यूबी के परामर्श से पीपीआर को अंतिम रूप देना और उसे डीईए को प्रस्तुत करना	15 जुलाई, 2021	डीईए द्वारा नोडल अधिकारी के अनुमोदन के अधीन जिसके लिए पहले ही आवेदन किया जा चुका है।
2.	डीईए का अनुमोदन	सितम्बर, 2021	अनुमोदन प्रक्रिया में नीति आयोग, एमओपी और एमओईएफसीसी के साथ परामर्श शामिल है
3.	सभी औपचारिकताएं पूरा करने के पश्चात विश्व बैंक के साथ जुड़ने की प्रक्रिया प्रारंभ करना	नवम्बर, 2021	अनुमानित समय-सीमा के अनुसार डीईए का अनुमोदन होने पर
4.	बेस लाईन डाटा कवर करते हुए तकनीकी सहायता रि पोर्ट तैयार करना जिसमें माइन क्लोज़र से संबंधित सामाजिक पहलू शामिल होंगे।	दिसम्बर, 2022	विश्व बैंक ने सूचित किया है कि सहायता के इस चरण में 12-18 महीने का समय लग सक ता है।

2. कोयला रहित भूमि का मुद्रीकरण (पुनःप्रस्तावित)

खदान बंद करने की सफलता को भूमि संसाधनों की स्थिति और खदान बंद करने के क्षेत्र के पारिस्थितिक कार्यों की बहाली की दृष्टि से देखा जा सकता है। खदान बंद करने की योजना प्रक्रिया में, यह आवश्यक है कि लक्ष्य, उद्देश्य और सफलता के मानदंड स्पष्ट रूप से स्थापित किए जाए ताकि खदान को व्यवस्थित तरीके से बंद किया जा सके, जबकि यह महसूस करते हुए कि बाद में पारिस्थितिक कार्यों की बहाली और पुनः प्राप्त भूमि से व्यावसायिक अवसरों का सृजन की दिशा में इनमें कुछ संशोधन की आवश्यकता हो सकती है। पुनर्ग्रहण कार्यक्रमों का उद्देश्य अशांत भूमि की मरम्मत और पुनर्स्थापना करना और भूमि को उसकी प्राकृतिक स्थिति में वापस करना है।

खनन की गई भूमि की बहाली के लिए उठाए जा सकने वाले प्रमुख कदम इस प्रकार हैं:

1. व्यवसाय के अवसर: - पुनः प्राप्त भूमि के मुद्रीकरण का अधिकतम लाभ प्राप्त करने के लिए व्यवसाय उन्मुख परियोजनाओं की स्थापना और स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाएं अर्थात सौर संयंत्र स्थापना, विंड टर्बाइन, वेयरहाउसिंग, थर्मल पावर प्लांट, रेलवे आदि को पट्टे के आधार पर भूमि को पट्टे पर देना आदि शुरू किया जा सकता है। वैकल्पिक व्यवसाय मॉडल/परिदृश्य के रूप में स्थानीय समुदाय के पात्र युवाओं को नए उद्यमों में रोजगार/आजीविका के लिए अपने कौशल में सुधार करने के लिए प्रशिक्षण दिया जा सकता है जैसे:-

I. सौर संयंत्र की स्थापना, संचालन और उसका रखरखाव
II. मछली पालन
III. बागवानी
IV. वर्मी-खाद
V. पीने और सिंचाई के लिए खदान के पानी का शोधन और आपूर्ति
VI. व्यवसाय के अवसरों के रूप में लघु जल शोधन संयंत्रों की स्थापना

2. पारिस्थितिक बहाली: पारिस्थितिक बहाली एक पारिस्थितिकी तंत्र के संरचनात्मक और कार्यात्मक घटकों की बहाली करने की एक प्रक्रिया है जो एक निश्चित समय में विभिन्न मानवशास्त्रीय गतिविधियों के कारण नष्ट या खराब हो गई है। इस प्रक्रिया में तीन स्तरीय वनों की स्थापना शामिल है जिसमें पुष्प घटक शामिल हैं अर्थात् घास, झाड़ियाँ और पेड़। यह आगे खाद्य श्रृंखला, आवास सुधार, निम्न भूमि उत्पादकता जैसे विभिन्न पारिस्थितिकी घटकों की बहाली की ओर जाता है और सबसे महत्वपूर्ण जीएचजी यानी सीओ 2 को अवशोषित करके वायुमंडलीय कार्बन के लिए कार्बन सिंक के रूप में कार्य करता है।

3. पारिस्थितिक पर्यटन में ऐसे पारिस्थितिक स्थलों को विकसित करने से स्थानीय समुदाय को आजीविका का वैकल्पिक स्रोत प्रदान करके सामुदायिक विकास में मदद मिलेगी जो ससाधनों, विशेष रूप से जैविक विविधता के संरक्षण और ससाधनों के सतत उपयोग को बनाए रखने के उद्देश्य से अधिक टिकाऊ है, जो पर्यटकों के लिए पारिस्थितिक अनुभव ला सकता है। पारिस्थितिक पर्यावरण का संरक्षण करें और आर्थिक लाभ प्राप्त करें।
4. वैकल्पिक उपयोग के लिए व्यावसायिक अवसरों की खोज करना जैसे कि वाशरीज़ की स्थापना और अन्य व्यावसायिक अवसर।

3. डाटा माइनिंग/ड्रोन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग

प्रस्तावना

अर्थव्यवस्था को बदलने के लिए एआई की क्षमता और भारत को अपने दृष्टिकोण को रणनीतिक बनाने की आवश्यकता को स्वीकार करते हुए, नीति आयोग ने नई और उभरती प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान और विकास का मार्गदर्शन करने के लिए 2018-19 में एआई पर राष्ट्रीय कार्यक्रम की स्थापना की।

"हम कुल आठ क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने जा रहे हैं - कोयला, खनिज, रक्षा उत्पादन, वायु अंतरिक्ष प्रबंधन और हवाई अड्डे, एमआरओ, बिजली वितरण कंपनियां, अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा।" -**निर्मला सीतारमण, वित्त मंत्री, भारत सरकार**

माननीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हाल ही में कुछ रणनीतिक क्षेत्रों को सूचीबद्ध किया है, जो अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए सरकार की पहल का एक हिस्सा हैं। कोयला खनन क्षेत्र ऐसा ही एक क्षेत्र है।

खनन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की आवश्यकता

कमोडिटी की कीमतों में उतार-चढ़ाव - जो नकदी प्रवाह को कम करना जारी रखता है और लाभप्रदता पर दबाव डालता है;

काम की प्रकृति में बदलाव - जहां जनसांख्यिकी में बदलाव, नौकरियों की प्रकृति और कैरियर के विकल्प के रूप में खनन की धारणाएं प्रतिभा प्रबंधन को फिर से लागू करने की आवश्यकता को बढ़ा रही हैं;

मौजूदा खानों की परिपक्वता - निम्न अयस्क ग्रेड और लंबे हाउल की दूरी के लिए अग्रणी;

नवाचार बाधाएं - जहां खनन कंपनियां पुराने दृष्टिकोण के जोखिम से बचने की प्रवृत्ति रखती हैं और आईपी और प्रतिस्पर्धा संबंधी चिंताओं के कारण अविश्वास सहयोग की ओर झुकाव रखती है।

लाभ

बढ़ी हुई दक्षता के साथ तेज़ निर्णय: खान के संचालन के लिए बड़ी मात्रा में डेटा प्रोसेसिंग की आवश्यकता होती है, जिनमें से अधिकांश को अभी भी मैन्युअल रूप से या दृश्य निरीक्षण द्वारा एकत्र किया जाता है, मशीन लर्निंग का उपयोग करके तुरंत डेटा एकत्र करके और साइट पर व्यावहारिक निर्णय कारकों को प्राप्त करके परिमाण के क्रम से कुछ मामलों में त्रुटि को कम करते हुए वर्कफ़्लो को व्यापक रूप से सुव्यवस्थित करने की क्षमता.

बेहतर स्वास्थ्य और सुरक्षा: फ्रंटलाइन माइनवर्कर्स के लिए स्वास्थ्य और सुरक्षा की स्थिति में सुधार के लिए एआई महत्वपूर्ण है, खतरनाक स्थितियों के लिए उनके जोखिम को कम करता है, और खनन में बदलाव को लोगों के उन्मुख होने के बजाय अधिक "प्रक्रिया" के लिए तेज करता है.

त्रुटि उन्मूलन के माध्यम से सटीकता को बढ़ावा देना: बड़ी मात्रा में डेटा से त्वरित रूप से प्राप्त पैटर्न काम की स्थिरता और गुणवत्ता को बढ़ाकर सटीकता को बढ़ा सकते हैं जो आमतौर पर मानवीय त्रुटि के अधीन होता है।

छोटे पर्यावरण पदचिह्न: खनन उद्योग को ऊर्जा की मांग को कम करने और इसके पर्यावरणीय पदचिह्न को कम करने में मदद करना।

ऐसे क्षेत्र जहां खनन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग किया जा सकता है

खनिज अन्वेषण: ड्रोन के साथ हवाई इमेजिंग, सर्वेक्षण में सुधार, भूवैज्ञानिक पूर्वेक्षण, और ड्रिल लक्ष्य क्षेत्रों का पता लगाने में प्रगति। ये उभरती हुई प्रौद्योगिकियां अभिनव अन्वेषण समाधान विकसित करने और खतरनाक और अस्थिर इलाके तक पहुंचने के लिए मानव कार्यबल को शामिल करने जैसे जोखिमों को कम करने में सक्षम बनाती हैं।

खान संचालन में सुधार: एआई का उपयोग करके खदान की समग्र दक्षता और अर्थशास्त्र में सुधार करना। एआई, मशीन लर्निंग और स्वायत्त प्रौद्योगिकियों की मदद से, खतरनाक भूमिगत और सतह के संचालन के लिए श्रमिकों के जोखिम को कम किया जा सकता है। मशीनें स्वायत्त रूप से वातावरण की निगरानी कर सकती हैं, संकेत और चेतावनी भेज सकती हैं, समस्याग्रस्त क्षेत्रों का पता लगा सकती हैं और खतरनाक परिस्थितियों में भी लगातार काम कर सकती हैं।

सेल्फ-ड्राइविंग होलर्स: खानें भारी उद्योग हैं जो वास्तव में उन्हें सेल्फ-ड्राइविंग वाहनों के शुरुआती व्यावसायिक उपयोग के लिए आदर्श स्थान बनाती हैं। खदान के उपकरण और ट्रक अपेक्षाकृत धीमी गति से यात्रा करते हैं। वे अच्छी तरह से परिभाषित और अत्यधिक नियंत्रित क्षेत्रों में भी काम करते हैं।

स्वायत्त ड्रिल, लोडर और ट्रेन: ड्रिलिंग सिस्टम एक रिमोट ऑपरेटर को जमीन में ड्रिल करने के लिए कई ड्रिलिंग रिग को नियंत्रित करने देता है। स्वचालित लोडिंग के साथ भी यही अवधारणा है।

कैविंग विधि का उपयोग करके गोफ का व्यवहार। भूमिगत खानों में छत गिरने की पहले से भविष्यवाणी करने के लिए डेटा एनालिटिक्स का उपयोग करना। भविष्यवाणी की प्रणाली बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के डेटा जैसे आरएमआर रेटिंग, स्तंभों का आकार, लंबवत और क्षैतिज रूप से स्तर की गति, परिमाण और विभिन्न छत गिरने के अंतराल की आवधिक जांच का उपयोग किया जा सकता है।

ओसी खानों में फ्लाई चट्टानों की भविष्यवाणी। विभिन्न प्रकार के ब्लास्टिंग विस्फोटकों में चट्टानों के व्यवहार, ब्लास्टिंग के पैटर्न, विभिन्न रॉक गुणों, विलंबित डेटोनेटर आदि का अध्ययन करके हम ओपनकास्ट खानों में फ्लाई चट्टानों को कम करने के लिए भविष्यवाणी की एक प्रणाली विकसित कर सकते हैं।

भूमिगत खानों में मिसफायर शॉट्स का स्थान खोजने वाला। ब्लास्टिंग फोरमैन द्वारा डेटा उत्पन्न किया जा सकता है जो प्रत्येक शॉट के बाद मिसफायर का भौतिक रूप से पता लगाता है। विभिन्न प्रकार के डेटा जैसे ब्लास्टिंग का पैटर्न, कोयले की गुणवत्ता, क्षेत्र, मिसफायर का स्थान, आरएमआर, इस्तेमाल किए गए विस्फोटक आदि डेटा एनालिटिक्स के लिए पूर्वानुमान मॉडल बनाने के लिए उपयोगी होंगे।

हाउल रोड सिमुलेशन/मॉडलिंग: बेहतर दक्षता के लिए इष्टतम मार्ग खोजने के लिए। खदान की गहराई में वृद्धि के साथ-साथ हॉल रोड की लंबाई के साथ-साथ डीजल की खपत और परिवहन मशीनरी की टूट-फूट की लागत भी बढ़ जाती है। इसलिए, सड़क की ढाल, मशीनों के प्रकार, लीड की लंबाई जैसे विभिन्न प्रकार के डेटा का उपयोग करके आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से हम इष्टतम हॉल रोड का चयन करने के लिए एक बेहतर कुशल मॉडल विकसित कर सकते हैं।

भूमिगत खानों में एआई पर आधारित मीथेन निगरानी सेंसर का संचय। भूमिगत खानों में स्थित सेंसरों की एक प्रणाली द्वारा मापी गई प्रत्यक्ष मीथेन सांद्रता मूल्यों का उपयोग। रोबोट का उपयोग करके और पहले से स्थापित निगरानी स्टेशनों से डेटा एकत्र करके श्रमिकों के आगे कार्यस्थल का निरीक्षण करने के लिए एआई सिस्टम विकसित किए जा सकते हैं। ये स्टेशन खतरे के और विस्तार को कम करने के लिए अलार्म ट्रिगर कर सकते हैं, चेतावनी संकेत दे सकते हैं और प्रभावित क्षेत्र को अवरुद्ध कर सकते हैं।

एचईएमएम पूर्वानुमान रखरखाव निगरानी। टूटने से पहले एचईएमएम का रखरखाव और निगरानी। पूर्वानुमान रखरखाव विफलता की घटनाओं पर केंद्रित है, इसलिए, भविष्य की विफलताओं के बारे में भविष्यवाणियां करने के लिए मशीनों के प्रदर्शन और रखरखाव रिकॉर्ड के बारे में ऐतिहासिक डेटा एकत्र करके शुरू करना समझ में आता है। इतिहास डेटा उपकरण उपयोग की स्थिति का एक महत्वपूर्ण संकेतक है।

माइन प्लानिंग ऑप्टिमाइजेशन ऑटोमैटिक शेड्यूलिंग: हालांकि माइनिंग स्पेस में एआई यूटिलिटी में बहुत बड़ा स्कोप है, यह आयाम के लिए सही ढंग से सोचने का विचार देगा। जमा /लागत-पैरामीटर/भू-तकनीकी विशेषताओं/आदि के प्रकार के अनुसार खनन पद्धति चयन/उपकरण चयन। अधिकांश इष्टतम पिट चयन सॉफ्टवेयर/सिमुलेशन के साथ कई परिवर्तनीय मानकों के साथ अनुकूलन और गतिशील स्थिति का उपयोग करता है। वार्षिक निष्क्रिय घंटों को कम करके एचईएमएम उपयोग% को बढ़ाने के लिए सही दिशा में काम करने के लिए डेटा एकत्र करना।

खदान में फंसे मजदूरों का बचाव। भूमिगत और खतरनाक जगहों पर फंसे खनिकों को बचाने के लिए रोबोटिक्स का इस्तेमाल जहां बचाव दल नहीं पहुंच सकते।

सिम्युलेटर आधारित प्रशिक्षण मंच, जहां पहनने योग्य सेंसर लगातार निगरानी करते हैं, डेटा उत्पन्न करते हैं जिसका स्वचालित रूप से समस्याग्रस्त व्यवहार प्रवृत्तियों को खोजने के लिए विश्लेषण किया जाता है और सिम्युलेटर-आधारित वातावरण में अत्यधिक केंद्रित उपचारात्मक प्रशिक्षण की सिफारिश करता है। यह खदान प्रबंधकों को ऑपरेटर क्षमताओं में अव्यक्त या आकस्मिक अंतराल के लिए सक्रिय रूप से प्रतिक्रिया करने में सक्षम बनाता है, प्रत्येक कार्यकर्ता की जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रशिक्षण हस्तक्षेप को अनुकूलित करता है और अंततः पूरे कार्यबल में ऑपरेटर के प्रदर्शन के मानकों को बढ़ाता है।

रॉक सतहों पर संभावित विफलता योजनाओं की पहचान करने के लिए रीयल-टाइम डेटा कैप्चर करने हेतु सेंसर की नवीनतम पीढ़ी, रॉक सतहों का विश्लेषण करने के लिए हैंडहेल्ड हार्डवेयर का उपयोग करके और मिनटों के भीतर उपयोगकर्ता को डेटा प्रदान करना।

खनिज ग्रेड की पहचान करने में उपयोग की जाने वाली छवि काम करने वाले कर्मचारियों की तुलना में नगण्य, त्रुटि दर को कम कर देती है।

भूमिगत खनन कार्यों में सुरक्षित काम करने की स्थिति की गारंटी के लिए एक प्रभावी और कुशल माइन वेंटिलेशन सिस्टम प्रमुख मुद्दों में से एक है। इसलिए एकीकृत प्रक्रिया नियंत्रण का उपयोग करके वेंटिलेशन सिस्टम का आईए-सक्षम स्वचालित समायोजन महत्वपूर्ण ऊर्जा लागत में कमी के साथ सहायता करता है।

खनन प्रक्रिया के दौरान रीयल टाइम मटेरियल साइज़िंग डेटा। कोयला और खनिज प्रसंस्करण और प्रक्रिया धातु विज्ञान में सामग्री प्रबंधन प्रणालियों की दक्षता बढ़ाने में एआई का अनुप्रयोग।

हालांकि, कोल इंडिया लिमिटेड में ईआरपी कार्यान्वयन के प्रारंभिक चरण में है और उपरोक्त गतिविधियों में से कुछ जैसे एचईएमएम भविष्य पूर्वानुमान रखरखाव, खान योजना अनुकूलन आदि पहले से ही ईआरपी के मुख्य कार्यों जैसे परिसंपत्ति और संयंत्र रखरखाव, उत्पादन और योजना के तहत कवर किए जा सकते हैं। आदि।

चौथी औद्योगिक क्रांति: दुनिया भर की खनन कंपनियां कैसे एआई, मशीन लर्निंग और रोबोट का उपयोग कर रही हैं:

गोल्डस्पॉट डिस्कवरीज इंक. एक ऐसी कंपनी है जिसका उद्देश्य मशीन लर्निंग का उपयोग करके सोने को कला से अधिक विज्ञान बनाना है। इसी तरह, गोल्डकॉर्प और आईबीएम वाटसन कनाडा में सोने के लिए बेहतर ड्रिलिंग स्थान खोजने के लिए उपलब्ध सभी भूवैज्ञानिक जानकारी की समीक्षा करने के लिए कृत्रिम बुद्धि का उपयोग करने के लिए सहयोग कर रहे हैं। मशीन लर्निंग का उपयोग करके खदान के लिए क्षेत्रों को खोजने में अधिक सटीक होने के ये प्रयास खनन उद्योग को अधिक लाभदायक बनाने में मदद कर सकते हैं।

रियो टिंटो पहले से ही स्वायत्त ढोने वाले ट्रकों का उपयोग कर रहा था जो 350 टन ले जा सकते हैं और 2008 से पूरी तरह से स्वतंत्र रूप से संचालित हैं। इन ट्रकों ने ईंधन के उपयोग को 13 प्रतिशत तक कम करके कंपनी की निचली लाइन को प्रभावित किया है और संचालित करने के लिए सुरक्षित हैं।

कुछ कंपनियों ने स्मार्ट सॉर्टिंग मशीनों का उपयोग करना शुरू कर दिया है जो कि कंपनी को जो भी मानदंड चाहिए, उसके आधार पर खनन सामग्री को सॉर्ट कर सकते हैं। इस काम से प्रसंस्करण के दौरान ईंधन और ऊर्जा की बचत हो सकती है और ग्रेड कमजोर पड़ने को कम किया जा सकता है।

रियो टिंटो की दूसरी पहल जिसे डेटा ट्विनिंग कहा जाता है। एक वर्चुअल मॉडल बनाकर जिसमें फ़ील्ड से रीयल-टाइम डेटा दिया जाता है, परिदृश्यों का त्वरित परीक्षण किया जा सकता है, और संचालन और उत्पादन को अनुकूलित किया जा सकता है। प्रतिकृति प्रणाली में लागू होने से पहले निर्णयों का परीक्षण करने की यह क्षमता बेहतर परिणाम और बचत की ओर ले जाती है।

इंटरनेट ऑफ थिंग्स प्रौदयोगिकी और सेंसर, खनन उपकरण की निगरानी की जा सकती है और टूटने से पहले बनाए रखा जा सकता है। सेंसर मशीनों पर तापमान, गति और कंपन की निगरानी कर सकते हैं ताकि निवारक रखरखाव को पूर्वानुमान रखरखाव में बदल सकें। रीयल-टाइम डेटा और एनालिटिक्स का आकलन करके, खनन कार्य सभी शामिल लोगों के लिए सुरक्षित हो सकते हैं। इस नई तकनीक को अपनाने के लिए खदान श्रमिकों को फिर से कशल बनाने की आवश्यकता है, और रियो टिंटो पहले से ही ऑस्ट्रेलियाई सरकार और एक व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदाता के साथ साझेदारी करके इस अंतर को भरने में मदद करने के लिए कदम उठा रहा है।

सीएमपीडीआई की पहल

ड्रोन तकनीक: एलआईडीएआर ऑप्टिकल और थर्मल सेंसर से लैस। इन ड्रोनों का होगा इस्तेमाल:

- ओवरबर्डन रिमूवल का वॉल्यूमेट्रिक माप
- उनके अस्तित्व और विकास के आकलन के लिए वृक्षारोपण/वनरोपण की निगरानी।
- खान बंद करने की निगरानी
- माइन फायर जोन की थर्मल मैपिंग।
- खान परिचालन योजना के लिए डिजिटल टेरेन मॉडल तैयार करना।

ड्रोन प्रौद्योगिकी के कार्यान्वयन की स्थिति:

सीएमपीडीआई द्वारा अपने स्वयं के ड्रोन के माध्यम से	आउटसोर्स के माध्यम से
• सेंटर फॉर एयरोस्पेस रिसर्च (सीएएसआर), चेन्नई से दो हाई एंड सर्वे-ग्रेड ड्रोन खरीदे गए हैं।	• सीएमपीडीआई ने सीआईएल की अनुषंगियों में ड्रोन की सेवाएं लेने के लिए कार्रवाई की है। सीएमडी सीएमपीडीआई ने सभी सीएमडी को संभावित आवेदन क्षेत्रों की सूची के साथ पत्र लिखकर उन खानों की पहचान करने का अनुरोध किया था जहां इन आवेदनों को अगस्त 2020 में ड्रोन द्वारा सत्यापित किया जा सकता है।
• पहला ड्रोन 29 दिसंबर 2020 को दिया गया था और दूसरा ड्रोन 29 मार्च 2021 को दिया गया था।	• एनसीएल: उपयुक्त क्षेत्रों की पहचान की गई; सीएमपीडीआई को निविदा आगे बढ़ाने के लिए कार्यादेश जारी किया गया था। मार्च 2021 में टेंडर वर्क दिया गया था। डीजीसीए ने 7 मई 2021 को एनसीएल पर ड्रोन उड़ाने के लिए सशर्त छूट दी है। पार्टी को 60 दिनों के भीतर एनसीएल की नौकरी खत्म करने की उम्मीद है।
• डीजीसीए से 5 अप्रैल 2021 को सशर्त छूट मिली है	• एसईसीएल : जल्द ही टेंडर निकाला जाएगा। निविदा दस्तावेज पहले से ही स्वीकृत है।
• सीएएसआर चेन्नई को सीएमपीडीआई द्वारा चिन्हित व्यक्तियों को प्रशिक्षण प्रदान करना है।	• डब्ल्यूसीएल, ईसीएल और सीसीएल : कार्य के दायरे को अंतिम रूप दिया जा रहा है। सहायक कंपनियों द्वारा पुष्टि प्राप्त होते ही निविदाएं जारी की जाएंगी।
• कोविडी स्थिति के कारण प्रशिक्षण स्थगित।	

कोल इंडिया लिमिटेड वित्त वर्ष 21-22 ड्रोन के लिए खान वार योजना:

भूमि सुधार और खान बंद करने की निगरानी के लिए डेटा का अधिग्रहण
बीसीसीएल – 6 खानें (ब्लॉक-II, मुराईडीह-शताब्दी, एकेडब्ल्यूएमसी, अमलगमटेड सुदामडीह
पाथेरडीह, गोपालीछुक, डोबारी)
एसईसीएल – 4 खानें (राजनगर, कंचन, बरौद, छाल)
ओबीआर सर्वे
बीसीसीएल – 6 खानें (ईस्ट रामनगर, फुलारीटांड, फुलारीटांड लीफाउट पेच बी, आरओसीपी
जीनागोरा पैच एफ, कनकनी पैच सी, धनसार – एन्ड)
एसईसीएल – 4 खानें (राजनगर, कंचन, बरौद, छाल)

रिमोट सेंसिंग: सीएमपीडीआई 1989 से नियमित रूप से भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी और रिमोट सेंसिंग का उपयोग कर रहा है।
भूमि सुधार की निगरानी के लिए उपग्रह डेटा आधारित रिमोट सेंसिंग अध्ययन वर्ष 2008 से नियमित रूप से किया जाता है।
सीएमपीडीआई ने वर्ष 2012 से 2017 तक के उपग्रह डेटा के आधार पर दामोदर घाटी कोयला क्षेत्रों में खदान की आग से संबंधित अध्ययन भी नियमित रूप से किया।
सीएमपीडीआई लीडर है एलआईडीएआर तकनीक भी है। वर्ष 2008 के बाद से देश में पहली बार वॉल्यूमेट्रिक माप के लिए स्थलीय एलआईडीएआर का उपयोग किया जा रहा है।

चुनौतियां

अंतर्दृष्टि उत्पन्न करने के लिए खराब परीक्षण विधि: मॉडल को प्रशिक्षित करने और कार्रवाई योग्य अंतर्दृष्टि उत्पन्न करने के लिए लगातार उच्च गुणवत्ता वाले डेटा एकत्र करने में कठिनाई।

एआई को अपनाने के लिए उद्योग संस्कृति प्रतिरोधी: कॉर्पोरेट डीएनए में एआई को एम्बेड करने में मदद करने के लिए नवाचार और/या संचार विशेषज्ञता या विभागों के लिए एक व्यवस्थित दृष्टिकोण की कमी वाले लीडर्स।

एआई-संबंधित प्रौद्योगिकी (संचालन और वित्तीय रिटर्न) की तैनाती की सीमित समझ: खनन व्यावसायिक देखते हैं कि कुछ समाधान अनुकूल परीक्षा परिणाम देते हैं, लेकिन उनका कार्यान्वयन जटिल है। इसी तरह, एआई से संबंधित उत्पादों का कार्यान्वयन दैनिक उत्पादन को प्रभावित करता है और आम तौर पर शेयरधारकों के लिए तुरंत प्रतिफल नहीं देता है।

एआई का समर्थन करने के लिए मौजूदा क्षमताओं की कमी: उन्नत प्रौद्योगिकी कौशल के साथ पारंपरिक खनन कौशल को संयोजित करने की आवश्यकता है, नेताओं को प्रौद्योगिकी वातावरण से अधिक महत्वाकांक्षी प्रतिभाओं को काम पर रखने पर विचार करना चाहिए, जिससे रचनात्मकता से संबंधित प्रक्रियाओं को अधिक लचीला बनाया जा सके और अधिक प्रेरक कार्य वातावरण तैयार किया जा सके।

4. संधारणीयता (निवल शून्य उत्सर्जन)

4.1 धूल दमन प्रौद्योगिकियों का पता लगाया जाना चाहिए

धूल दमन और वायु प्रदूषण के नियंत्रण के लिए वर्ष 2021-22 के दौरान पारंपरिक धूल दमन उपायों के अलावा, कोयला / लिग्नाइट सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा निम्नलिखित अतिरिक्त उपाय किए जाएंगे:

पीएसयू	धूल दमन प्रौदयोगिकियां						
	एफएमसी परियोजनाएं	मिस्ट स्प्रेयर	फॉग कैनन (ट्रक)	फॉग कैनन (ट्रॉली)	व्हील वॉशिंग	मैकेनिकल रोड स्वीपर	सीएएक्यूएमएस
	सं0	सं0	सं0	सं0	सं0	सं0	सं0
सीआईएल	6	17	44	53	16	33	28
एससीसीएल	2	4	-	9	-	-	11
एनएलसीआईएल	-	1	-	-	-	2	8
कुल योग	8	22	44	62	16	5	47

4.2 कार्बन अवशोषण प्रौद्योगिकियों के अन्वेषण और एचईएमएम में एलएनजी/इलेक्ट्रिक मॉबिलिटी के उपयोग तथा खनन में ऊर्जा दक्षता बढ़ाने के लिए कदम उठाकर कार्बन उत्सर्जन को कम किया जाए

कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए डीजल चालित एचईएमएम में एलएनजी का उपयोग

- एमओसी ने सभी कोयला/लिग्नाइट सार्वजनिक उपक्रमों को एचईएम में एलएनजी के उपयोग का पता लगाने और आवश्कता पड़ने पर आईओसीएल/गेल की सहायता लेने का निर्देश जारी किया था।
- एमसीएल ने पायलट प्रोजेक्ट के रूप में एलएनजी के उपयोग के लिए भरतपुर ओपनकास्ट खान का चयन किया है। दो 100टी बीईएमएल डंपरों को एलएनजी किट से रेट्रोफिट करने का प्रस्ताव है। मैसर्स कमिंस की सहमति ली गई है। पायलट परियोजना की सहायता और निष्पादन के लिए गेल से संपर्क किया गया है।
- सीआईएल, गेल और बीईएमएल द्वारा साइट के संयुक्त दौरे के बाद 31 जुलाई तक एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाने की संभावना है। इसके बाद गेल द्वारा बीईएमएल की तकनीकी सहायता से एलएनजी इंफास्ट्रक्चर की स्थापना और एलएनजी किट की रेट्रोफिटिंग की गतिविधियां शुरू की जाएंगी। पायलट प्रोजेक्ट के दिसंबर, 2021 तक पूरा होने की संभावना है।
- डब्ल्यूसीएल, सीसीएल और ईसीएल में यही पहलें की जानी है।

ऊर्जा दक्षता उपाय

- कोयला/लिग्नाइट सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम ऊर्जा दक्षता और ऊर्जा संरक्षण के कई उपायों को लागू कर रहे हैं। वर्ष 2021-22 के लिए विभिन्न नियोजित ऊर्जा दक्षता उपाय इस प्रकार हैं:

पीएसयू	ऊर्जा दक्षता उपाय							
	एलईडी लाइट का उपयोग	ऊर्जा प्रभावी एसी	सुपर फैन	ई-व्हीकल	प्रभावी वाटर हीटर	पंपो के लिए ऊर्जा प्रभावी मोटर	स्ट्रीट लाइटों में ऑटो-टाइमर	कपैसिटर बैंक
	सं.	सं.	सं.	सं.	सं.	सं.	सं.	सं.
सीआईएल	62021	863	16156	200	386	171	763	-
एससीसीएल	19800	893	11800	-	-	-	-	13
एनएलसीआईएल	4200	20	500	-	-	2	10	20
कुल	86021	1776	28456	200	386	173	773	33

4.3 खनन क्षेत्रों में (~ 5 किमी के दायरे में) वायु गुणवत्ता पर नजर रखी जानी चाहिए

- सीआईएल, एससीसीएल और एनएलसीआईएल द्वारा पहले से उपयोग में किए जा रहे सीआईएक्यूएमएस की संख्या क्रमशः 48, 8 और 10 हैं। वर्ष 2021-22 के लिए खनन क्षेत्रों से 5 किलोमीटर के दायरे में सीएएक्यूएमएस और अन्य निगरानी तंत्र लगाने का लक्ष्य निम्नानुसार है:

वायु गुणवत्ता निगरानी तंत्र	सीआईएल	एससीसीएल	एनएलसीआईएल	कुल
सीएएक्यूएमएस	28	11	8	47
ऑनलाइन पीएम 10 विश्लेषक	40			40

4.4 नेट कार्बन तटस्थता प्राप्त करने के लिए रोडमैप तैयार किया जाएगा

- वर्ष 2013-14 में, सीसीएल की अशोक व पिपरवार खानों में कार्बन उत्सर्जन का आकलन करने के लिए प्राथमिक अध्ययन किया गया था। सीएमपीडीआई ने उल्लेख किया कि निष्कर्षित और प्रेषित प्रति टन कोयले के लिए लगभग 28-30 किलोग्राम समतुल्य CO_2 उत्सर्जित हो रहा था।
- सीआईएल ने सीएमपीडीआई द्वारा अध्ययन करने और सीआईएल में कार्बन तटस्थता के लिए एक रोडमैप तैयार करने की परिकल्पना की है। यह अध्ययन वर्ष 2040 तक कोयला खनन के कारण कार्बन फुटप्रिंट को प्रोजेक्ट करेगा और कार्बन तटस्थता प्राप्त करने के लिए कार्बन उत्सर्जन को ऑफसेट करने के लिए विभिन्न उपायों का भी सुझाव देगा।

वर्ष 2021-22 में कार्यकलाप

क्र. सं.	कार्यकलाप	संभावित समय-सीमा	टिप्पणियां
1.	अध्ययन के लिए दृष्टिकोण नोट	तैयार की गई	
2.	सीआईएल खानों से आवश्यक आंकड़ा प्राप्त करने के लिए फॉर्मेट	तैयार किया गया और परिचालित किया गया	आंकड़े प्रस्तुत करने की समय-सीमा 15 जुलाई, 2021 है।
3.	मसौदा रिपोर्ट तैयार करना	अक्तूबर, 2021	सभी स्टेकधारकों की टिप्पणियों के लिए मसौदा रिपोर्ट परिचालित की जानी है (समय-सीमा - 15 दिन)
4.	अध्ययन पूरा करना और अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत करना	नवम्बर, 2021	

III संस्थान निर्माण

कोयला नियंत्रक संगठन, कोलकाता

1. कोयला नियंत्रक संगठन (सीसीओ), कोयला खान भविष्य निधि संगठन (सीएमपीएफओ) में सुधार

कोयला नियंत्रक संगठन में सुधार

कोयला नियंत्रक संगठन (सीसीओ) कोयला मंत्रालय के अधीन एक अधीनस्थ कार्यालय है और यह वर्तमान में कोलकाता में अपने मुख्यालय से धनबाद, रांची, नागपुर, बिलासपुर, संबलपुर, आसनसोल में स्थित सात (7) फील्ड कार्यालयों के साथ काम कर रहा है, और कोयला क्षेत्र के प्रभावी प्रबंधन के लिए खनन, सरक्षण, विकास सहायता और सांख्यिकीय विश्लेषण से संबंधित विभिन्न प्रकार के सांविधिक कार्यों का निष्पादन कर रहा है।

सीसीओ को विविध प्रकृति की जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं जिन्हें समयबद्ध और सुसंगत तरीके से प्रदान किए जाने की आवश्यकता है लेकिन इन गतिविधियों के निष्पादन के दौरान कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। बाद के पैरा सतत कार्य प्रवाह में मौजूदा चुनौतियों को उजागर करते हैं और कई सुधारों का सुझाव देते हैं जो कोयला नियंत्रक संगठन को मजबूत करने में मदद करेंगे और सीसीओ को आवंटित कार्यों के सुचारू निष्पादन में मदद करेंगे।

1. <u>खान को खोलने और बंद करने से संबंधित गतिविधियां:</u>

सीसीओ कोयला खानों को खोलने और फिर से खोलने की अनुमति देता है (कोलियरी नियंत्रण नियम, 2004 के नियम 9 के तहत), खनन योजनाओं का अनुमोदन प्रदान करता है और खान बद करने की अनुमोदित योजना के कार्यान्वयन की निगरानी करता है। खान बद करने की योजना प्रस्तुत करने, सीएमसीडी संशोधन नियम 2011 के तहत एस्क्रो खाते पर हस्ताक्षर करने, खान-वार खातों के रख-रखाव और खानों को वितरित करने पर अनुवर्ती कार्रवाई में काफी समय लगता है क्योंकि वर्तमान में प्रक्रिया मैन्युअल रूप से निष्पादित की जाती है।

एक वेब आधारित दृष्टिकोण पूरी प्रक्रिया में तेजी लाएगा। जनवरी 2021 में शुरू किए गए सिंगल विंडो क्लीयरेंस सिस्टम (एसडब्ल्यूसीएस) से खान खोलने, दावों और खानों को बद करने की गतिविधि आदि से संबंधित मामलों जैसे सभी तकनीकी मामलों का निपटान होगा।

2. ग्रेडेशन एक्सरसाइज:

- सीसीओ कोलियरी नियंत्रण नियमावली, 2004 के तहत गुणवत्ता आश्वासन और कोयला खानों की वार्षिक ग्रेडेशन प्रक्रिया की देखरेख करता है। यह कोयला कंपनियों और उपभोक्ताओं के बीच लंबित गुणवत्ता शिकायतों से संबंधित मुद्दों का भी समाधान करता है। दलों के बीच कोई विवाद होने पर, सीसीओ मामले को सुलझाने के लिए अपीलीय प्राधिकरण के रूप में कार्य करता है।
- खान-वार वार्षिक कोयला ग्रेड घोषणा के लिए एक समर्पित गुणवत्ता पोर्टल सीसीओ की वेबसाइट पर उपलब्ध हो सकता है। इसके साथ ही जीसीवी, ग्रेड, राख प्रतिशत आदि से संबंधित प्रमाण पत्र के साथ संबंधित क्षेत्रों से ऑटो अपडेट किया जाएगा ताकि खान वार/सीम/साइडिंग-वार प्रेषण गुणवत्ता की जानकारी पब्लिक डोमेन में उपलब्ध हो सके।

3. तकनीकी विशेषज्ञों की आवश्यकता:

- सीसीओ 2015 तक अनुमोदित खनन योजना के मापदंडों और उपलब्धियों के अनुपालन के संबंध में सभी सार्वजनिक और कैप्टिव कोयला खानों के लिए खनन कार्यों की स्थिति रिपोर्ट तैयार करने के लिए उपयोग किया जाता है। अब इसे एमओसी के नामित प्राधिकारी द्वारा हैंडल/नियंत्रित किया जा रहा है। सीसीओ की भूमिका निर्णायक बन गई है और इसके लिए वाणिज्यिक खनन को सुविधाजनक बनाने और वाणिज्यिक ब्लॉकों की निगरानी करने के लिए खनिज कानून (संशोधन) अधिनियम 2020, खान एवं खनिज विकास एवं विनियमन अधिनियम, 1957 और कोयला खान (विशेष उपबंध) अधिनियम 2015 के संशोधन जैसे संसद द्वारा हाल ही में पारित अधिनियमों सहित खानों की निगरानी में एमओसी की आंख और कान की भांति पूरी तरह शामिल होने की आवश्यकता होगी। इस प्रकार, सीसीओ के सभी तकनीकी/समूह क पदों को भरने की तत्काल आवश्यकता है। ओएसडी की क्षमता को भारत सरकार के तकनीकी अधिकारियों के साथ प्रतिस्थापित किया जाना चाहिए।
- एससीसीएल पर निर्भर रहने के बजाय, सीसीओ को एक स्वतंत्र तकनीकी संगठन के रूप में विकसित किया जाना चाहिए ताकि उसकी ओर से कोयला क्षेत्र को विनियमित और निगरानी की जा सके। यद्यपि सीसीओ में वर्तमान में इस कार्य को करने की क्षमता का अभाव है, तथापि आवश्यक तकनीकी कार्मिकों को प्रतिनियुक्ति/अवशोषण के आधार पर लाया जा सकता है ताकि आवश्यक प्रणालियां और प्रक्रियाएं लागू की जा सकें और साथ ही सौंपे गए कार्य को स्वतंत्र रूप से निपटाने के लिए सीसीओ की नई भर्तियों को प्रशिक्षित किया जा सके।

4. वॉशरी:

- वर्तमान में, सीसीओ कैप्टिव खानों के वाशरी रिजेक्ट्स के निपटान हेतु अनुमोदन प्रदान करता है (5.7.3 सीएम (एसपी) अधिनियम 2015 और सीबीए नियम 8 (ii) 2017 के अनुसार) और वाशरी रिटर्न्स से संबंधित डाटा संग्रहीत और संकलित करता है। इसके पास सीएम (एसपी) अधिनियम 2015 और सीबीए नियम 2017 के तहत निविदा/आवंटन दस्तावेजों से प्राप्त सीसीओ का अनुमोदन प्राप्त करने की प्रणाली है, उपरोक्त अधिनियमों के प्रख्यापन के बाद हुए नीतिगत परिवर्तनों को ध्यान में रखते हुए उचित कार्रवाई करने की आवश्यकता है:
- कैप्टिव खानों को अपनी आवश्यकता को पूरा करने के बाद उत्पादित 50% कोयले को बेचने की अनुमति देने संबंधी नीति
- एमईएफसीसी अधिसूचना एस.ओ.1561 (ई) दिनांक 21 मई, 2020
- वाणिज्यिक खनन के लिए नीलामी का शुभारंभ

5. सांख्यिकी:

- यह अनुभाग कोयले से संबंधित सभी आंकड़ों/सूचनाओं के राष्ट्रीय भंडार के रूप में कार्य करता है। डाटा प्राप्त करने के लिए, मासिक/वार्षिक आधार पर सभी खानों/वॉशरी/विभिन्न निकायों, जो संबंधित अनुसूची को भरते हैं और इसे सीसीओ के साथ वापस साझा करते हैं, के साथ एक अनुसूची साझा की जाती है। इस प्रकार प्राप्त अनुसूचियों की समीक्षा की जाती है, उन्हें व्यवस्थित किया जाता है, संशोधित प्रारूप में संकलित किया जाता है और इसके बाद उपयोग के लिए आवश्यक तालिकाओं के रूप में व्यवस्थित किया जाता है। इस प्रक्रिया में जो बड़ी समस्या सामने आ रही है वह है समय पर डाटा न मिलने की। चूंकि, डाटा जमीनी स्तर से एकत्र किया जाता है, इसलिए टेलीफोन और मेल पर निरंतर पत्राचार किया जाता है, जिसमें अधिकांश समय लगता है। प्राप्त डाटा कई बार गलत भी होता है और डाटा की शुद्धता की जांच करने के लिए संबंधित व्यक्ति के साथ बार-बार चर्चा की जाती है। इसलिए, इस उद्देश्य हेतु विशेष रूप से विकसित सांख्यिकी पोर्टल पर सीधे आवश्यक दैनिक/मासिक/त्रैमासिक/वार्षिक आधार की आवश्यकता होती है। इससे सांख्यिकी कर्मिकों की जनशक्ति में काफी कमी आएगी जो निर्णयकर्ताओं को बेहतर गुणवत्ता वाले डाटा इनपुट के डाटा विश्लेषण में अधिक उपयोगी रूप से लगे हुए हो सकते हैं। हालांकि, चूंकि आवश्यक डाटा प्रकृति में जटिल है, इसलिए असंगत आंकड़ों के मामले में नियमित रूप से आवश्यक प्रशिक्षण और निरीक्षण की व्यवस्था करने के साथ-साथ गुणवत्ता डाटा सुनिश्चित करने की आवश्यकता है ।

6. स्टार रेटिंग:

- भारत की सभी कोयला/लिग्नाइट खानों की स्टार रेटिंग सीसीओ द्वारा की जा रही है। सभी खान मालिकों को एक वेब आधारित डाक परिचालित की गई है जिससे वे स्वयं को रेट करेंगे और कार्य के सुचारू और तेजी से निष्पादन के लिए पूरी प्रक्रिया को डिजिटलीकृत किया जा रहा है। साथ ही स्टार रेटिंग के कुछ मापदंडों को समग्र कार्बन फुट प्रिंट और पर्यावरणीय प्रभाव को ध्यान में रखते हुए संशोधित किए जाने की जरूरत है। इसका उद्देश्य उन खानों को प्रोत्साहन प्रदान करके खानों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा पैदा करना है जो उनके कार्बन फुट प्रिंट का ट्रैक रखते हैं और पर्यावरण संरक्षण के लिए अतिरिक्त प्रयास करते हैं।
- इसके अलावा, कोयला खानों की स्टार रेटिंग नीति के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए, सीसीओ को तैयार किए गए विभिन्न मॉड्यूलों से संबंधित विभिन्न कारकों के स्व-मूल्यांकन को मान्य करने हेतु वार्षिक रूप से कोयला खानों का बड़ी संख्या में निरीक्षण करने की आवश्यकता है। क्षेत्र में जनशक्ति की कमी के कारण अपेक्षित संख्या में निरीक्षण संभव नहीं है। इसलिए, इन खानों के निरीक्षण को आउटसोर्स किया जा सकता है क्योंकि इससे निष्पक्ष और समय पर परिणाम सुनिश्चित होगा क्योंकि निरीक्षण में शामिल लोग स्वतंत्र रूप से काम करेंगे ।

7. आईटी सिस्टम:

- अलग आईटी सेल की आवश्यकता है जो घर की आवश्यकता में प्रबंधन करेगा और एनआईसी/विक्रेता के साथ बातचीत करेगा क्योंकि अधिकांश कार्यों को स्वचालित/प्रस्तावित किया जा रहा है। आईटी सेवाओं की बढ़ती आवश्यकता के साथ, सीसीओ के पास ई-ऑफिस, क्लाउड, वीपीएन, माइनर अप ग्रेडेशन/किसी भी मॉड्यूल के स्रोत कोड में परिवर्तन (किसी भी तत्काल आवश्यकता के आधार पर) आदि जैसे सभी आईटी से संबंधित मामलों की देखरेख करने के लिए एक समर्पित और उन्नत आईटी टीम होना आवश्यक है। वर्तमान में सीसीओ के पास आईटी पहलुओं की देखरेख करने के लिए डीबीए के रूप में एकमात्र हायर्ड जनशक्ति है।

8. विधि अनुभाग की आवश्यकता:

- यह महसूस किया जाता है कि अपनी जिम्मेदारियों में वृद्धि के साथ, सीसीओ को बढ़ती संख्या में कानूनी मामलों से निपटने की आवश्यकता होगी और इसलिए मामलों से निपटने के दौरान पैनल में शामिल वकीलों के साथ निगरानी, समन्वय, संक्षिप्तता और बातचीत करने के लिए एक अलग कानूनी धारा की परिकल्पना की जा सकती है।

9. क्षेत्रीय कार्यालयों का सुदृढ़ीकरण:

- सीसीओ के सात क्षेत्रीय कार्यालय हैं; धनबाद के अलावा किसी भी क्षेत्रीय कार्यालय में सरकारी अधिकारी नहीं हैं। सभी कार्यालयों का संचालन एससीसीएल के अधिकारी करते हैं, जो लोन के आधार पर लिए गए हैं। उचित समन्वय, दावों की जांच, सीमों के ग्रेड का सत्यापन आदि केवल सरकारी अधिकारियों की ओर से कार्मिकों द्वारा किया जाता है। इसके अलावा, नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड या एनसीएल के कमान क्षेत्र में यूपी/एमपी की खानों का प्रबंधन रांची कार्यालय द्वारा किया जा रहा है। एनसीएल कमान क्षेत्र के सिंगरौली बेसिन और गुजरात तथा राजस्थान की लिग्नाइट खानों में स्थित खानों के खान-पान के लिए उत्तरी क्षेत्र में नया कार्यालय खोलने की जरूरत है।
- इसके अलावा कोयले ने नई दिल्ली में नया कार्यालय खोलकर नई दिल्ली में किए जाने वाले खनन योजना के अनुमोदन का कार्य/गतिविधिया सौंपी हैं। इसलिए, नई दिल्ली में एक नया कार्यालय खोला जा सकता है जो अन्य तकनीकी पहलुओं से निपटने के अलावा उपरोक्त गतिविधियों को पूरा करेगा।
- **सारांश:**
- सीसीओ को काम को पुनर्गठित करने और आधुनिक प्रौदयोगिकी/स्वचालन का पूरी सीमा तक उपयोग करने की आवश्यकता होगी। इसमें खान योजना अनुमोदन के लिए ऑनलाइन तंत्र, ऑनलाइन प्रशिक्षण, ई-कार्यालय का कार्यान्वयन, सीओओ द्वारा ऑनलाइन अनुमोदन/प्रतिबंधों के लिए पोर्टल का निर्माण, कोयला क्षेत्र से संबंधित सभी सांख्यिकीय आकड़ों के संग्रह/संकलन/विश्लेषण के लिए पोर्टल आदि शामिल हो सकते हैं। एससीसीएल पर निर्भर रहने के लिए निर्णय लेने और खनन से संबंधित विभिन्न कार्यों के समग्र निष्पादन में निष्पक्ष और पारदर्शी कार्य प्रवाह को कम करने की आवश्यकता है। तकनीकी विशेषज्ञों (ग्रुप क अधिकारियों) की भर्ती को अत्यंत प्राथमिकता दी जानी चाहिए जो मार्गदर्शन प्रदान कर सकें और सीसीओ को बदलने और अपग्रेड करने में मदद कर सकें।

2. कोयला परीक्षण प्रयोगशालाओं का उन्नयन

सीआईएल को सभी प्रयोगशालाओं को एनएबीएल मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं में अपग्रेड करने के लिए कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। सीआईएल को उपयुक्त मंच पर थर्ड पार्टी सैंपलिंग एजेंसियों की एनएबीएल मान्यता को लागू करने के लिए कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया गया है।

3. स्टाफ की गुणवत्ता और प्रशिक्षण संबंधी मुद्दे

स्थापना अनुभाग ने दिनांक 07.05.2021 को सीएमडी, सीआईएल से अनुरोध किया है कि वे 2021-22 के लिए संस्थागत भवन एजेंडा के तहत प्रशिक्षण मुद्दों अर्थात इस अनुभाग को तत्काल रूप से स्पष्ट निर्धारित समय-सीमा के साथ और इसके बाद मासिक आधार पर स्टाफ की गुणवत्ता और प्रशिक्षण संबंधी मुद्दों की व्यापक समीक्षा पर एटीआर प्रस्तुत करें। इसे 31 जुलाई 2021 तक पूरा करना है।

IV भावी एजेंडा

वर्ष 2021-22 के लिए एजेंडा

1. कोयले से रसायन

कोयले से रसायन संबंधी स्थिति: सिन गैस, हाइड्रोजन गैस

कोयला गैसीकरण का उपयोग सिंथेटिक प्राकृतिक गैस (एसएनजी), ऊर्जा ईंधन (मेथनॉल और इथेनॉल), उर्वरकों के लिए यूरिया का उत्पादन और एसिटिक एसिड, मिथाइल एसीटेट, एसीटिक अनिहाड्राइट, डीएमई, एथिलीन और प्रोपलीन जैसे रसायनों के उत्पादन में किया जा सकता है। वर्ष 2030 तक 100 एमटी कोयले का गैसीकरण प्राप्त करने के लिए कोयला मंत्रालय ने एक नीति तैयार की है जिसमें गैसीकरण प्रयोजन के लिए उपयोग किए जाने वाले कोयले के सभी भावी वाणिज्यिक कोयला ब्लॉक नीलामियों के लिए राजस्व हिस्सेदारी में 20 प्रतिशत छूट का प्रावधान किया गया है बशर्ते गैसीकरण के लिए उपयोग की जाने वाली कोयले की मात्रा कुल कोयला उत्पादन का कम से कम 10 प्रतिशत हो। इसके अलावा, नीति आयोग के सदस्य की अध्यक्षता में कार्यक्रम की निगरानी और नीतिगत निर्णय लेने के लिए संचालन समिति का गठन तथा ऐसी परियोजनाओं को लेने और इनकी प्रगति की निगरानी करने के लिए कोयला मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव की अध्यक्षता में सभी उद्योग स्टेकहोल्डरों को शामिल करते हुए और कार्यान्वयन समिति का गठन किया गया है। बड़े वाणिज्यिक पैमाने पर सतही कोयला गैसीकरण भारत के लिए नया है।

इसलिए, कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने सतही कोयला गैसीकरण (एससीजी) रूट के माध्यम से कई स्वच्छ कोयला पहलें शुरू की हैं, जिनका निष्पादन विभिन्न चरणों में किया जा रहा है। इन पहलों का विवरण नीचे दिया गया है :

चरण-I में

सीआईएल ने पायलट आधार पर दो गैसीकरण परियोजनाएं स्थापित करने की योजना बनाई है। इन संयंत्रों का ब्यौरा नीचे दिया गया है:

(क) तलचर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (टीएफएल) के माध्यम से तलचर (ओडिशा) में यूरिया परियोजना के लिए कोयला

सीआईएल, गेल, राष्ट्रीय रसायन एवं उर्वरक (आरसीएफ) और फर्टिलाइजर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एफसीआईएल) की संयुक्त उद्यम कंपनी है। तलचर फर्टिलाइजर लिमिटेड रसायन एवं उर्वरक विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण में आता है। पेट कोक के साथ मिश्रित उच्च राख कोयले पर आधारित कोयला गैसीकरण। निवेश: 13277 करोड़ रुपये। सीआईएल, आरसीएफ और गेल इक्विटी पार्टनर (28%) हैं और परियोजना को बैंकों से ऋण (72%) के माध्यम से वित्त पोषित किया जाएगा। कोयला स्रोत: कोयला उपलब्ध कराने के लिए ओडिशा के अर्कापाल ब्लॉक के 2.5 मि.ट. उत्तर को टीएफएल में आवंटित किया गया है और पेट कोक तलचर रिफाइनरी से मंगाया जाएगा। वर्तमान स्थिति: दो एलएसटीके निविदाओं की खोजे गए एल-1 मूल्यों के आधार पर, डीएफआर को जुलाई-2019 में मेसर्स पीडीआईएल द्वारा तैयार किया गया था, जिसमें परियोजना लागत 13,277.21 करोड़ रुपये आंकी गई थी। इसमें कैप्टिव माइनिंग प्रोजेक्ट में निवेश के लिए लागत शामिल नहीं है। मेसर्स वूहान, चीन को सितंबर-2019 में दो एलएसटीके कार्यों को सौंपा गया था। वर्तमान में निर्माणाधीन चरण - वित्त वर्ष 2024-25 में शुरू किए जाने की संभावना।

(ख) दानकुनी कोल कॉम्प्लेक्स में कोयला से मेथनॉल परियोजना :

पूर्व- परियोजना गतिविधियों की स्थिति :

हाइड्रो-जियोलॉजिकल ग्राउंड वाटर स्टडी और हाइड्रोग्राफिक सर्वे वर्क: हाइड्रोमेटियोलॉजिकल डाटा का संग्रह किया जा रहा है।

ईआईए के लिए अध्ययन: मेसर्स पीडीआईएल ने ईआईए अध्ययन करने के लिए 31.12.2021 को मेसर्स वरदान पर्यावरण को कार्य सौंपा है जिससे पर्यावरण मंजूरी प्रदान की जा रही है जो प्रगति पर है। निविदा गतिविधियों की स्थिति: इस संयंत्र की स्थापना के लिए बिल्ड-ऑन-ऑपरेटर (बीओओ) प्रोसेसर के चयन हेतु निविदा दस्तावेज और 25 वर्षों के लिए इसका संचालन मेसर्स पीडीआईएल द्वारा तैयार किया गया है और 25 सितंबर, 2020 को मेसर्स पीडीआईएल द्वारा निविदा जारी की गई है। 5, 6 और 9 नवंबर, 2020 को हुई प्री-बिड बैठकें सीपीपी पोर्टल पर 10-02.2021 को प्री-बिड क्वेश्चन अपलोड किए गए हैं। 16.04.2021 को बोली खोली गई है और एक बोलीदाता (मेसर्स प्रोडैर एयर प्रोडक्ट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड) ने अपना प्रस्ताव प्रस्तुत कर दिया है। मूल्यांकन का काम चल रहा है।

दूसरे चरण में (परियोजनाएं जहां व्यवहार्यता अध्ययन प्रगति पर हैं):

- गैसीकरण और बाद में डाउनस्ट्रीम रसायनों के उत्पादन के लिए लगभग 6.0 एमटीपीए कोयले का उपयोग करने हेतु सीसीएल, ईसीएल, एसईसीएल और डब्ल्यूसीएल में कोयले से रसायन संयंत्र। मैसर्स डेलॉइट द्वारा सीसीएल, ईसीएल और एसईसीएल के पीएफआर की पीयर समीक्षा का मसौदा 30.04.2021 को सीआईएल को प्रस्तुत किया गया है। ड्राफ्ट पीयर समीक्षाएं 30.04.2021 को संबंधित सहायक कंपनियों और मेसर्स पीडीआईएल को ड्राफ्ट पीयर समीक्षा के साथ-साथ मेसर्स पीडीआईएल द्वारा मेसर्स डेलोइट के परामर्श से पीएफआर को अंतिम रूप देने के अनुरोध के साथ भेजी गई है। मेसर्स पीडीआईएल से पीएफआर को अंतिम रूप देने में तेजी लाने का अनुरोध किया गया है।
- एसईसीएल, सीसीएल और ईसीएल के पीएफआर के अनुमोदन पर निर्णय संबंधित सहायक कंपनियों द्वारा अंतिम पीएफआर की प्राप्ति के अधीन किया जाएगा।

- डब्ल्यूसीएल परियोजना के लिए, स्थान में परिवर्तन के कारण पीएफआर को संशोधित किया जा रहा है और संशोधित पीएफआर 15 मई, 2021 तक प्रस्तुत किया जाएगा। डब्ल्यूसीएल परियोजना के लिए अंतिम उत्पाद को मेथनॉल के बजाय अमोनियम नाइट्रेट में बदल दिया गया है।

2. सीआईएल को अपने व्यवसाय में विविधता लानी चाहिए और सनराइज इंडस्ट्रीज में इलेक्ट्रिक चार्जिंग पॉइंट्स, ईवी आदि में संभावनाएं तलाशनी चाहिए।

सीआईएल की कार्बन उत्सर्जन पर भविष्य के प्रतिबंध को ध्यान में रखते हुए विविधता लाने की योजना है जो अपरिहार्य है। सीआईएल ने विविधीकरण के लिए नए व्यावसायिक क्षेत्र को चुना है जहा कार्बन उत्सर्जन न्यूनतम है। विविधीकरण के लिए निम्नलिखित व्यावसायिक क्षेत्रों पर विचार किया गया है:-

क. सौर वेफर विनिर्माण
ख. सौर ऊर्जा उत्पादन
ग. भूतल कोयला गैसीकरण
घ. कोल बेड मीथेन
ङ. ग्रीनफील्ड एल्युमिनियम प्रोजेक्ट और इंटीग्रेटेड थर्मल पावर प्लांट
च. ब्राउन फील्ड एल्युमिनियम परियोजना: नाल्को के साथ संयुक्त उद्यम

प्रत्येक क्षेत्र का विवरण इस प्रकार है-

क. सौर वेफर निर्माण:

- 10 जीडब्ल्यू मॉड्यूल के लिए आवश्यक 45000 टीपीए पॉलीसिलिकॉन
- सीआईएल द्वारा शामिल किए जाने हेतु एसपीवी
- महत्वपूर्ण चरण में पहुंचने के बाद एसपीवी निजी भागीदारों की तलाश करेगी
- बोली यूएमपीपी मॉडल की तर्ज पर हो सकती है, जहां सीआईएल 26% इक्विटी हिस्सेदारी बनाए रखेगी
- 26000 करोड़ रुपये का अनुमानित निवेश पॉलीसिलिकॉन वेफर
- टीपीपी के लिए 19422 करोड़ रु.

ख. सौर विद्युत उत्पादन:

- सीआईएल ने बिजली में आत्मनिर्भर बनने के लिए वित्त वर्ष 24 तक 3 गीगावाट सौर पीवी परियोजनाएं स्थापित करने का लक्ष्य रखा है।
- 411 मेगावाट की कुल क्षमता और 1778 करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश वाली 14 रूफटॉप और छोटी सौर परियोजनाएं
- ऊर्जा दक्षता पर ईईएसएल के साथ समझौता ज्ञापन निष्पादित
- 11 सौर पीवी ईपीसी-सह-ओ एंड एम ठेकेदार पैनलबद्ध
- 20 मेगावाट की परियोजना के लिए सीसीएल द्वारा जारी कार्यादेश
- एनसीएल 50 मेगावाट की परियोजना को क्रियान्वित करने की प्रक्रिया में है
- बीसीसीएल ने 25 मेगावाट की परियोजना के लिए एनआईटी किया जारी
- एमसीएल ने 50 मेगावाट की परियोजना के लिए डीपीआर को मंजूरी दी
- अनुषंगियों की 10 मेगावाट रूफटॉप परियोजनाएं निष्पादन के विभिन्न चरणों में है।
- 1000 मेगावाट क्षमता के साथ 1 मेगा एसपीवी परियोजना @ आईएनआर 4000 करोड़ के निवेश से सीआईएल और एनएलसीआईएल द्वारा स्थापित किया जाएगा

ग. भूमिगत कोयला गैसीकरण:

- सीआईएल-दानकुनी- 1.5 एमटीपीए भूतल कोयला गैसीकरण परियोजना; अंतिम उत्पाद मेथनॉल- इसकी निविदा की गई थी तथा बोली 16.04.21 को खोली गई जो जांच के अधीन है। 4000 करोड़ रु. के निवेश की उम्मीद।
- सीसीएल, ईसीएल, डब्ल्यूसीएल, एसईसीएल कोयला खदान पिट-हेड्स पर बीओओ आधार पर 26,792 करोड़ रुपये के
- कुल अनुमानित निवेश के साथ विभिन्न अंतिम उत्पाद के साथ सतही कोयला गैसीकरण की 4 परियोजनाएं

घ. कोयला बेड मीथेन:

- 33 सीबीएम ब्लॉकों को पहले ही 1767 बीसीएम अनुमानित संसाधन (एमओपीएनजी) दिया जा चुका है।
- मार्च 2020 तक 3735 एमएमएससीएम संचयी उत्पादन
- सीबीएम परियोजनाएं 3 राज्यों, झारखंड, पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ में प्रस्तावित हैं

ड. ग्रीनफील्ड एल्युमिनियम परियोजना और एकीकृत ताप विद्युत संयंत्र:

टीपीपी के साथ एल्युमीनियम की प्रस्तावित ग्रीनफील्ड परियोजना का पता लगाने के लिए साइट विशिष्ट पर काम चल रहा है

- **एकीकृत खान- 1 एमटीपीए रिफाइनरी-0.5 एमटीपीए स्मेल्टर**
- **1600 मेगावाट टीपीपी**
- **सीआईएल द्वारा एसपीवी को बढ़ावा दिया जाएगा**
- **महत्वपूर्ण चरण में पहुंचने के बाद एसपीवी को आफ-लोड कर दिया जाएगा**
- **बोली यूएमपीपी मॉडल पर हो सकती है, जहां सीआईएल 26% इक्विटी हिस्सेदारी बनाए रखेगी**

प्रस्तावित निवेश –

- **26200 करोड़ रु. रिफाइनरी और स्मेल्टर**
- **12000 करोड़ रु. टीपीपी**

च. ब्राउन फील्ड एल्युमिनियम परियोजना: नाल्को के साथ संयुक्त उद्यम:

- **23,363 करोड़ रु. का निवेश**
- **3 मीट्रिक टन बॉक्साइट खनन; 1 एमटीपीए एल्यूमिना**
- **0.5 एमटीपीए एल्यूमिनियम**
- **1600 मेगावाट टीपीपी**
- **सीआईएल और नाल्को संयुक्त रूप से 12,000 करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश पर स्मेल्टर स्थापित करेंगे**
- **सीआईएल 11,363 करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश पर टीपीपी स्थापित करेगी**

3. कोयला क्षेत्र में धारणा प्रबंधन के लिए मजबूत मीडिया अभियान की जरूरत

सीआईएल और सहायक कंपनियों को प्रसारित मसौदा मीडिया योजना प्रसारित की गई तथा 17 मई 2021 को संयुक्त सचिव (समन्वय) एवं श्री आर.आर. मिश्रा, वरिष्ठ सलाहकार, एसडीसी की कोयला कंपनियों के साथ वीसी बैठक में चर्चा की गई । सहायक कंपनियों और सीआईएल द्वारा प्रस्तुत योजनाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

4. सीएसआर गतिविधियों की करीबी निगरानी

केंद्रित दृष्टिकोण के साथ किया जाना है - नीचे दिया गया टेम्प्लेट सभी सहायक कंपनियों को परिचालित किया गया है: -

कोयला / लिग्नाइट कंपनियों के लिए सीएसआर निगरानी और समीक्षा प्रोफार्मा - वित्त वर्ष 2021-22[अप्रैल] के लिए कोल इंडिया लिमिटेड और इसकी सहायक कंपनियों से संबंधित विवरण नीचे दिया गया है।

वित्त वर्ष 2021-22, माह: अप्रैल, 2021							आंकड़े ऑडिट के अध्यधीन है। आंकड़े करोड़ रूपए में	
कोयला कंपनी का नाम	राज्य का नाम (जिनमें सीएसआर कार्यकलाप शुरू किए गए हैं)	पिछले वर्ष का कंपनी का शुद्ध लाभ	कंपनी अधिनियम के अनुसार सीएसआर फंड का आवंटन एआई	सीएसआर निधियों का वास्तविक आवंटन	गतिविधिवार व्यय / सीएसआर निधि का उपयोग	सीएसआर फंड से कोविड महामारी से लड़ने के लिए की गई पहल	आबंटित सीएसआर निधियों के लक्ष्य व्यय को पूरा करने में कमी और कारण	टिप्पणियों के साथ सीएसआर परियोजनाओं को पूरा करने में सफलता दर का विवरण, यदि कोई हो
1	2	3	4	5	6	7	8	9
ईसीएल	झारखण्ड, पश्चिम बंगाल	-1100.00	12.27	16.19	अनुबंध ख में प्रस्तुत	अनुबंध ग में प्रस्तुत	लागू नहीं क्योंकि वित्तीय वर्ष चल रहा है।	लागू नहीं क्योंकि वित्तीय वर्ष चल रहा है।
बीसीसीएल	झारखण्ड	खातों का ऑडिट पूरा होने के बाद पता चलेगा	0.00	4.94			लागू नहीं क्योंकि वित्तीय वर्ष चल रहा है।	लागू नहीं क्योंकि वित्तीय वर्ष चल रहा है।
सीसीएल	झारखण्ड	खातों का ऑडिट पूरा होने के बाद पता चलेगा	47.67	47.67			लागू नहीं क्योंकि वित्तीय वर्ष चल रहा है।	लागू नहीं क्योंकि वित्तीय वर्ष चल रहा है।
डब्ल्यूसीएल	मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र	खातों का ऑडिट पूरा होने के बाद पता चलेगा	1.08	10.05			लागू नहीं क्योंकि वित्तीय वर्ष चल रहा है।	लागू नहीं क्योंकि वित्तीय वर्ष चल रहा है।
एसईसीएल	छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश	खातों का ऑडिट पूरा होने के बाद पता चलेगा	65.00	65.00			लागू नहीं क्योंकि वित्तीय वर्ष चल रहा है।	लागू नहीं क्योंकि वित्तीय वर्ष चल रहा है।

वित्त वर्ष 2021-22, माह: अप्रैल, 2021							आंकड़े ऑडिट के अध्यधीन है। आंकड़े करोड़ रूपए में	
कोयला कंपनी का नाम	राज्य का नाम (जिनमें सीएसआर कार्यकलाप शुरू किए गए हैं)	पिछले वर्ष का कंपनी का शुद्ध लाभ	कंपनी अधिनियम के अनुसार सीएसआर फंड का आवंटन एआई	सीएसआर निधियों का वास्तविक आवंटन	गतिविधिवार व्यय / सीएसआर निधि का उपयोग	सीएसआर फंड से कोविड महामारी से लड़ने के लिए की गई पहल	आबंटित सीएसआर निधियों के लक्ष्य व्यय को पूरा करने में कमी और कारण	टिप्पणियों के साथ सीएसआर परियोजनाओं को पूरा करने में सफलता दर का विवरण, यदि कोई हो
1	2	3	4	5	6	7	8	9
एनसीएल	मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश	6267.78	132.75	132.75	अनुबंध ख में प्रस्तुत	अनुबंध ग में प्रस्तुत	लागू नहीं क्योंकि वित्तीय वर्ष चल रहा है।	लागू नहीं क्योंकि वित्तीय वर्ष चल रहा है।
एमसीएल	ओडिशा	9081.11	181.62	181.62			लागू नहीं क्योंकि वित्तीय वर्ष चल रहा है।	लागू नहीं क्योंकि वित्तीय वर्ष चल रहा है।
सीएमपीडीआईएल	छत्तीसगढ़, झारखण्ड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, पश्चिम बंगाल (इन प्रत्येक राज्यों में सीएमपीडीआईएल के पास आरआई है)	खातों का ऑडिट पूरा होने के बाद पता चलेगा	5.90	5.90			लागू नहीं क्योंकि वित्तीय वर्ष चल रहा है।	लागू नहीं क्योंकि वित्तीय वर्ष चल रहा है।
सीआईएल (एनईसी सहित)	समग्र भारत	खातों का ऑडिट पूरा होने के बाद पता चलेगा	10.00	105.31			लागू नहीं क्योंकि वित्तीय वर्ष चल रहा है।	लागू नहीं क्योंकि वित्तीय वर्ष चल रहा है।
कुल			456.29	569.43				
टिप्पणी	1. राज्य-वार व्यय का विवरण अनुबंध-क में है। 2. कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुसार पिछले 2 वित्तीय वर्षों का प्रॉफिट बिफोर टैक्स (पीबीटी) का औसत सहायक कंपनियों के मामले में सीएसआर बजट की गणना के लिए इस्तेमाल किया जाता है और सीआईएल के मामले में पीबीटी के पिछले 3 वित्तीय वर्ष के औसत को लाभांश घटाकर उपयोग किया जाता है।							

अनुबंध क: सीआईएल और सहायक कंपनियों द्वारा राज्य-वार सीएसआर व्यय												
वित्त वर्ष 2021-22 माह: अप्रैल, 2021		आंकड़े ऑडिट के अध्यधीन है									आंकड़े करोड़ रूपए में	
कंपनी	असम	छत्तीसगढ़	झारखण्ड	मध्य प्रदेश	महाराष्ट्र	ओडिशा	उत्तर प्रदेश	पश्चिम बंगाल	हिमाचल प्रदेश	बिहार	अखिल भारत/ डिस्पोसेट्री आधार पर/ प्रशासनिक व्यय	कुल
ईसीएल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.07	0.00	0.00	0.00	0.07
बीसीसीएल	0.00	0.00	1.25	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	1.25
सीसीएल	0.00	0.00	4.98	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	4.98
डब्ल्यूसीएल	0.00	0.00	0.00	0.50	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.50
एसईसीएल	0.00	1.10	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	1.10
एनसीएल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
एमसीएल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.07	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.07
सीएमपीडीआईएल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
सीआईएल (एनईसी सहित)	0.00	0.00	0.87	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	1.00	0.25	2.00	4.12
कुल	0.00	1.10	7.10	0.50	0.00	0.07	0.00	0.07	1.00	0.25	2.00	12.09

अनुबंध ख: सीआईएल और सहायक कंपनियों द्वारा राज्य-वार सीएसआर व्यय

वित्त वर्ष 2021-22 माह: अप्रैल, 2021		आंकड़े ऑडिट के अध्यधीन है									आंकड़े करोड़ रूपए में		
कंपनी	पोषण, स्वास्थ्य और स्वच्छता	शिक्षा और आजीविका	अधिकारिता, कल्याण और सामाजिक समावेश	पर्यावरणीय संधारणीयता	कला और संस्कृति को बढ़ावा देना और राष्ट्रीय विरासत का संरक्षण	सशस्त्र बलों का कल्याण	खेलों को बढ़ावा	राष्ट्रीय राहत कोष में योगदान	इनक्यूबेटरों, अनुसंधान संस्थानों को योगदान	ग्रामीण विकास	स्लम एरिया विकास	आपदा प्रबंधन और राहत	कुल
ईसीएल	0.00	0.00	0.07	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.07
बीसीसीएल	1.25	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	1.25
सीसीएल	4.98	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	4.98
डब्ल्यूसीएल	0.50	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.50
एसईसीएल	1.04	0.00	0.00	0.00	0.00	0.06	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	1.10
एनसीएल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
एमसीएल	0.04	0.00	0.00	0.00	0.02	0.00	0.01	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.07
सीएमपीडीआईएल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
सीआईएल (एनईसी सहित)	2.90	1.22	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	4.12
कुल	10.71	1.22	0.07	0.00	0.02	0.06	0.01	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	12.09

अनुबंध ग- कोविड-19 से निपटने के लिए अप्रैल 2021 में नई सीएसआर पहल (वित्त वर्ष 2021-22)		
क्र. सं.	**कंपनी**	**कार्यकलाप का विवरण**
1	सीआईएल	कोविड-19 संबंधित चुनौतियों से निपटने के लिए जिला अस्पताल, सिमडेगा, झारखण्ड में बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए 40.00 लाख रुपये की वित्तीय सहायता। (पहली किश्त, कुल परियोजना लागत: 98.88 लाख रुपये)
2	सीआईएल	बिहार और झारखंड में विभिन्न स्थानों पर कोविड-19 चिकित्सा सहायता केंद्रों के लिए ऑक्सीजन कॉन्सेंट्रेटर और अन्य उपकरणों की खरीद के लिए बिरसा सेवा प्रकल्प को 50.00 लाख रुपये की वित्तीय सहायता। (पहली किश्त, कुल परियोजना लागत: 134.50 लाख रुपये)
3	डब्ल्यूसीएल	कोविड-19 महामारी के लिए आपातकालीन प्रतिक्रिया हेतु मध्य प्रदेश में बैतूल और छिंदवाड़ा के प्रत्येक जिला प्रशासन को 25.00 लाखरुपये की वित्तीय सहायता।
4	एसईसीएल	कोविड-19 से लड़ने में मदद करने के लिए रुपये कोरबा, छत्तीसगढ़ के जिला प्रशासन को 75.00 लाख रूपए की वित्तीय सहायता।
5	सीसीएल	99.00 लाख रु. की लागत से रामगढ़ जिला, झारखण्ड में कोविड नियंत्रण केंद्र की स्थापना।
6	सीसीएल	95.00 लाख रु. की लागत से सदर अस्पताल लातेहार, झारखण्ड में आईसीयू की स्थापना।
7	सीसीएल	99.00 लाख रूपए की लागत से बोकारो जिला, झारखण्ड में कोविड डिडिटल केयर सेंटर सह होम नर्सिंग सेंटर की स्थापना।
8	सीसीएल	95.00 लाख रूपए की लागत से सदर अस्पताल, चतरा, झारखण्ड में गहन चिकित्सा उपकरण लगाना।
9	सीसीएल	60.00 लाख रुपये की लागत से गिरिडीह, झारखण्ड के कोविड अस्पताल के लिए दवाओं और चिकित्सा उपकरणों की खरीद।
10	सीसीएल	50.00 लाख रूपए की लागत से पलामु जिला, झारखण्ड में कोविड-19 के प्रबंधन और नियंत्रण के लिए आवश्यक चिकित्सा उपकरण की खरीद।
11	एमसीएल	ओडिशा में परिधीय क्षेत्रों के ग्रामीणों को मास्क और सैनिटाइजर का वितरण।
12	एमसीएल	तालचेर, ओडिशा में मेडिकल कॉलेज में कोविड-19 अस्पताल और आवासीय क्षेत्र के लिए पानी के टैंकरों के माध्यम से पानी की आपूर्ति।
13	एमसीएल	तालचेर, ओडिशा में आवासीय भवन और कोविड-19 अस्पताल के छात्रावास के लिए पंपों, टार्टर और वाल्व का संचालन।
14	बीसीसीएल	कोविड-19 राहत के लिए जिला प्रशासन, धनबाद, झारखण्ड को 1.00 करोड़ रूपए की वित्तीय सहायता।
15	बीसीसीएल	कोविड-19 मरीजों के लिए होम आइसोलेशन किट्स की खरीद के लिए झारखण्ड स्टेट डिजास्टर मिटिगेशन फंड के लिए 25 लाख रूपए की वित्तीय सहायता
टिप्पणी: कोविड-19 से लड़ने के लिए वित्त वर्ष 20-21 के दौरान बनाए गए अधिकांश बुनियादी ढांचे वित्त वर्ष 21-22 के दौरान भी काम कर रहे हैं।		

अनुबंध -1

वर्ष 2021-22 के लिए एजेंडा

कोयला कंपनी-वार एफएमसी परियोजनाएं

एसीसीएल (03 परियोजनाएं)							
क्र.सं..	क्षमता सहित परियोजनाओं का नाम	अनुमानित कैपेक्स (रु करोड़ में)	दी गई मूल्य (रु.क रोड. में)	वास्तविक कैपेक्स् (रु. करोड़.)	दी गई निविदा की तिथि	कमीशन प्राप्ति की तिथि	टिप्पणी
1	एसआरपी ओसी सी एचपी 3.50 एमटीपीए	283.49		225.30		13.01.2020 को कमीशन प्राप्त	क्षमता उपयोग 80% है। कम क्षमता उपयोग कोविड-19 महामारी के कारण 2019-20 में कम कोयला उत्पादन की वजह से है।
2	जेवीआर ओसी सी एचपी 10 एमटीपीए	1301.73		859	दी गयी निविदा	नव'21	
3	नैनी कोयला खान 10 एमटीपीए	800.29			2021-22	2023-24	कोई प्रगति नहीं

एनएलसीआईएल (01 परियोजना)

क्र.सं.	क्षमता सहित परियोजनाओं का नाम	अनुमानित कैपेक्स (रु करोड़ में)	दी गई मूल्य (रु. करोड. में)	वास्तविक कैपेक्स् (रु. करोड़.)	दी गई निविदा की तिथि	कमीशन प्राप्ति की तिथि	टिप्पणी
1	तालाबीरा II एंड III ओसीपी	664.52		44.8	दी गयी निविदा	30.04.2022	20% कार्य पूरा किया गया।

डब्ल्यूसीएल (01 परियोजना)

क्र.सं.	क्षमता सहित परियोजनाओं का नाम	अनुमानित कैपेक्स (रु करोड़ में)	दी गई मूल्य (रु. करोड. में)	वास्तविक कैपेक्स् (रु. करोड़.)	दी गई निविदा की तिथि	कमीशन प्राप्ति की तिथि	टिप्पणी
1	दिनेश ओसीपी 8 एमटीपीए	469.87	441	-	दी गयी निविदा	(ऑ)31.12.2023 (आरआई) 31.03.2023	11.03.2021 को डब्ल्यूओ जारी किया गया। संविदादाता के साथ अनुबंध 20.05.2021 तक हस्ताक्षरित किया जाएगा।

ईसीएल (03 परियोजना)

क्र.सं.	क्षमता सहित परि योजनाओं का नाम	अनुमानित कैपेक्स (रु करोड़ में)	दी गई मूल्य (रु.क रोड. में)	वास्तविक कैपेक्स् (रु. करोड़.)	दी गई निविदा की तिथि	कमीशन प्राप्ति की तिथि	टिप्पणी
1	सोनपुर बाजारी सीएचपी-सीलो 12 एमटीपीए	289		277	दी गयी निविदा	(ऑ)31.10.2020 (आरI) 31.12.2020 (आरII)30.06.2021	96% कार्य पूरा किया ग या।
2	राजमहल सीएचपी-सीलो 10 एमटीपीए	252.7		-	दी गयी निविदा	(ऑ)31.01.2023 (आरI)31.03.2023	07.12.2020 को डब्ल्यू ओ जारी किया गया।
3	झांजर एक्प. यू जी 5 एमटीपीए	465 (रेल साइडिंग सहित)		50.91	दी गयी निविदा	(ऑ)28.02.2023	07.12.2020 को डब्ल्यू ओ जारी किया गया। 17.02.2021 को समझौ ता हस्ताक्षर किया गया।

सीसीएल (04 परियोजना)

क्र.सं.	क्षमता सहित परियोजनाओं का नाम	अनुमानित कैपेक्स (रु करोड़ में)	दी गई मूल्य (रु. करोड. में)	वास्तविक कैपेक्स् (रु. करोड़.)	दी गई निविदा की तिथि	कमीशन प्राप्ति की तिथि	टिप्पणी
1	नॉर्थ उरीमारी सीएचपी-सीलो 7.5 एमटीपीए	298.26	280.91	-	दी गयी निविदा	(ऑ)31.03.2022 (आरI)24.06.22 (आरII)30.11.22 (आरIII)18.02.2023	16.03.2021 को साइट अंतरित की गई 17.03.2021को समझौता हस्ताक्षर किया गया।
2	मगध सीएचपी -सीलो 20 एमटीपीए	600.36	527.12	-	दी गयी निविदा	(ऑ)30.11.2023	07.01.2021.एलओए/डब्ल्यूओ जारी किया गया।
3	आम्रपाली सीएचपी-सीलों 12 एमटीपीए	317.9	299.81	-	दी गयी निविदा	(ऑ)30.11.2023	15.05.2021 को साइट का अंतरण होना है।
4	कोनार ओसीसीएचपी सीलो 5 एमटीपीए	239.78	193.55	-	दी गयी निविदा	(ऑ)12.06.2023	30.06.2021 को साइट का अंतरण होना है।

एनसीएल (09 परियोजना)

क्र.सं.	क्षमता सहित परियोजनाओं का नाम	अनुमानित कैपेक्स (रु करोड़ में)	दी गई मूल्य (रु. करोड. में)	वास्तविक कैपेक्स् (रु. करोड़.)	दी गई निविदा की तिथि	कमीशन प्राप्ति की तिथि	टिप्पणी
1	कृष्णाशिला सीएचपी -सीलो 4 एमटीपीए	175.95	175.95	144.92	दी गयी निविदा	21.01.2021 को कमीशन	एनसीएल द्वारा क्षमता का उपयोग नहीं दिया गया।
2	जयंत ओसीपी सीएचपी सीलो 15 एमटीपीए	724.18	698	261	दी गयी निविदा	(ऑ)07.12.2021 (आरI)11.01.2022 (आरII)31.01.2022 (आरIII)07.12.2021 (आरIV)23.03.2022	
3	ब्लॉक बी रेल कनेक्टिवीटी	70.97	48.81	39.86	दी गयी निविदा	(ऑ)01.09.22 (आरI)30.11.22 (आरII)30.06.2021	निर्माण कार्य पूरा हो चुका है।.
4	ब्लॉक बी ओसीपी सीएचपी सीलो 4.5 एमटीपीए	167.45	150.22	-	दी गयी निविदा	(ऑ)01.09.22 (आरI)30.11.22 (आरII)31.12.2022	05.01.2021को अनुबंध पर हस्ताक्षर किया गया।

एनसीएल (09 परियोजना)							
5	बीना काकरी अमलगामेशन 9.5 एमटीपीए	524.39	-	-	(ऑ)30.06.2021	(ऑ)30.04.2023 (आरI)30.06.2023	20.04.2021 को पुन: निविदा की गई।
6	निगारी ओसीपी सीएचपी सीलो 10 एमटीपीए	585.15	-	-	(ऑ)30.06.2021	(ऑ)20.10.2021 (आरI)28.04.2022 (आरII)30.06.2023 (आरIII)31.03.2023	13.04.2021. को पुन: निविदा की गई।
7	अमलोरी आरएलएस साइडिंग 5 एमटीपीए	127.65	140.83	-	दी गयी निविदा	(ऑ)20.10.2021 (आरI)28.04.22 (आरII)31.10.22 (आरIII)20.04.22 (आरIV)30.09.2022	साइट संविदादाता को अंतरित कर दी गई
8	दुधिचुआ ओसीपी सीएचपी सीलो 10 एमटीपीए	699.66	646	45	दी गयी निविदा	(ऑ)17.02.22 (आरI)28.08.22 (आरII)31.10.22	निर्माण कार्य जारी है।
9	दुधिचुआ ओसीपी आरएलएस साइडिंग 5 एमटीपीए	59.74	62.34		दी गयी निविदा	(ऑ)20.10.2021 (आरI)28.04.22 (आरII)31.10.21 (आरIII)30.06.2022	

एसईसीएल (09 परियोजना)

क्र.सं.	क्षमता सहित परियोजनाओं का नाम	अनुमानित कैपेक्स (रु करोड़ में)	दी गई मूल्य (रु.करोड. में)	वास्तविक कैपेक्स् (रु. करोड़.)	दी गई निविदा की तिथि	कमीशन प्राप्ति की तिथि	टिप्पणी
1	कुसमुंडा फे-I सीएचपी 10 एमटीपीए	89.96	92.2	92.2	दी गयी निविदा	कमीशन किया गया	97% क्षमता उपयोगिता
2	कुसमुंडा फे-II सीएचपी सीलो 40 एमटीपीए	262.75	262.75	240.04	दी गयी निविदा	(ऑ)30.06.2020 (आरI) 30.11.2020 (आरII)30.06.2021	18.03.2021 को 4 में से 1 कमीशन प्राप्त
3	गेवरा 5 एंड 6 ओसीपी सीएचपी सीलो 30 एमटीपीए	702.5	615.07		दी गयी निविदा	(ऑ)31.10.2022 (आरI) 11.02.2023	02.05.2021 को साइट अंतरित कर दी गई
4	गेवरा ओसीपी आरएलएस साइडिंग 20 एमटीपीए	222.19	222.19		दी गयी निविदा	(ऑ)31.03.2022 (आरI)31.05.22 (आरII)31.03.22 (आरIII)02.10.2022	25.01.2021 को साइट अंतरित कर दी गई 02.02.2021को समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

एसईसीएल (09 परियोजना)							
5	दिपका ओसीपी आरएलएस साइडिंग 25 एमटीपीए	249.01	211.22	13	दी गयी निविदा	(ऑ)30.11.2022 (आरI)31.01.2023	06.03.2021 को समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।
6	कुसमुंडा फे-III	625.9	544.59	-	दी गयी निविदा	(ऑ)31.01.2023 (आरI)12.02.2023	10.02.2021 को समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।
7	छाल ओसीपी सीएचपी सीलो 6 एमटीपीए	159.61	173.46	-	दी गयी निविदा	(ऑ)31..03.2023	19.04.2021 को समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।
8	बरौद सीएचपी-सीलो 10 एमटीपीए	217.09	216.53	-	दी गयी निविदा	(ऑ)29.02.2024 (आरI)31.12.2022 (आरII)31.01.2023 (आरIII)30.04.2023	15.05.2021. को समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।
9	मानिकपुर ओसीपी सीएचपी सीलो 5 एमटीपीए	210.48	170.51	-	दी गयी निविदा	(ऑ)30.09.2022 (आरI)28.02.2023	15.05.2021 को समझौते पर हस्ताक्षर किया जाना है।

एमसीएल (09 परियोजनाएं)

क्र.सं.	क्षमता सहित परियोजनाओं का नाम	अनुमानित कैपेक्स (रु करोड़ में)	दी गई मूल्य (रु.करोड़. में)	वास्तविक कैपेक्स् (रु. करोड़.)	दी गई निविदा की तिथि	कमीशन प्राप्ति की तिथि	टिप्पणी
1	लिंगराज सीएचपी सीलो 16 एमटीपीए	391	373	373	दी गयी निविदा	Commissioned in Feb'20	25% क्षमता उपयोगिता
2	भुवनेश्वरी फे-I सीएचपी सीलो 10 एमटीपीए	329.35	334.81	238.83	दी गयी निविदा	(ऑ)31.12.2020 (आरा)30.03.2021 (आरII)31.12.2021	96% निर्माण कार्य पूरा
3	भुवनेश्वरी फे-II सीएचपी सीलो 15 एमटीपीए	347.15	247.69	2.47	दी गयी निविदा	(ऑ)01.12.22 (आरा)30.11.22 (आरII)31.03.2023	20.01.2021
4	हिंगुला सीएचपी सीलो 10 एमटीपीए	175.94	168.95	134	दी गयी निविदा	(ऑ)31.07.2021 (आरा)30.06.2021 (आरII)31.07.2021 (आरIII)31.03.2022	56% निर्माण कार्य पूरा
5	लखनपुर बेलपहाड़लिलारी ओसीपी सीएचपी सीलो फे-I 10 एमटीपीए	309	309	10.21	दी गयी निविदा	(ऑ)30.09.22 (आरा)31.12.21 (आरII)31.07.22 (आरIII)31.03.22 (आरIV)31.03.2023	27.10.2020 को साइट अंतरित की गई

एमसीएल (09 परियोजनाएं)							
6	कान्हा सीएचपी-आरएलएस 10एमटीपीए	236.77	268.05	-	दी गयी निविदा	(ऑ)30.09.22 (आरI)31.10.21 (आरII)31.03.22 (आरIII)31.05.2023	31.03.2021 को डब्ल्यू ओ जारी किया गया
7	लाजकुआ आरएलएस साइडिंग 15 एमटीपीए	314.19	285.05	0.61	दी गयी निविदा	(ऑ)28.022022 (आरI)31.03.2023	20.01.2021 को डब्ल्यू ओ जारी किया गया
8	सारदेगा आरएलएस साइडिंग 20 एमटीपीए	404.87	311.69	-	दी गयी निविदा	(ऑ)28.02.2023	20.01.2021 को डब्ल्यू ओ जारी किया गया
9	अनंत सीएचपी सीलो 20 एमटीपीए	528.97	278.48	-	दी गयी निविदा	(ऑ)14.02.2022 (आरI)31.03.2022 (आरII)31.05.2023	23.03.2021 को डब्ल्यू ओ जारी किया गया

अनुबंध 2

वर्ष 2021-22 के लिए एजेंडा

प.मं. स्थिति (पर्यावरणीय मंजूरी)

वर्ष 2021-22 के लिए एजेंडा

	क्र.सं.	परियोजना का नाम	सहायक कंपनी	बोर्ड अनुमोदन स्थिति	ईसी अनुदान	ईसी स्थिति	कोयला उत्पादन की शुरुआत
परियोजनाएं अनुमोदित AND उत्पादन में	1	अमादांद ओसी	एसईसीएल	अनुमोदित	पूर्ण	उपलब्ध ईसी	उत्पादन में
	2	नाकराकोंडा कुमारडीह बी B	ईसीएल	अनुमोदित	पूर्ण	उपलब्ध ईसी	उत्पादन में
	3	तिलाबोनी	ईसीएल	अनुमोदित	पूर्ण	उपलब्ध ईसी	उत्पादन में
	4	पारासी- बेलबैद	ईसीएल	अनुमोदित	पूर्ण	उपलब्ध ईसी	उत्पादन में
	5	सिडुली	ईसीएल	अनुमोदित	पूर्ण	उपलब्ध ईसी	उत्पादन में
	6	झांझरा एक्स	ईसीएल	अनुमोदित	पूर्ण	उपलब्ध ईसी	उत्पादन में
	7	चित्रा ईस्ट ओसीपी	ईसीएल	अनुमोदित	पूर्ण	उपलब्ध ईसी	उत्पादन में
	8	कुमारडीह बी B	ईसीएल	अनुमोदित	पूर्ण	उपलब्ध ईसी	उत्पादन में
	9	श्यामसुंदरपुर	ईसीएल	अनुमोदित	पूर्ण	उपलब्ध ईसी	उत्पादन में
	10	मोहनपुर एक्स	ईसीएल	अनुमोदित	पूर्ण	उपलब्ध ईसी	उत्पादन में
	11	एनटीएसटी ओसीपी	बीसीसीएल	अनुमोदित	पूर्ण	उपलब्ध ईसी	उत्पादन में
	12	मूनीडीह XV सीम	बीसीसीएल	अनुमोदित	पूर्ण	उपलब्ध ईसी	उत्पादन में
	13	मुराईडीह यूजी	बीसीसीएल	अनुमोदित	पूर्ण	उपलब्ध ईसी	उत्पादन में
	14	सस्ती एक्स ओसी	डब्ल्यूसीएल	अनुमोदित	पूर्ण	उपलब्ध ईसी	उत्पादन में

	क्र.सं.	परियोजना का नाम	सहायक कंपनी	बोर्ड अनुमोदन स्थिति	ईसी अनुदान	ईसी स्थिति	कोयला उत्पादन की शुरुआत
परियोजनाएं अनुमोदित AND उत्पादन में	15	आमगांव	एसईसीएल	अनुमोदित	पूर्ण	उपलब्ध ईसी	उत्पादनरत
	16	बरौद एक्स ओसी	एसईसीएल	अनुमोदित	पूर्ण	उपलब्ध ईसी	उत्पादनरत
	17	छालओसी	एसईसीएल	अनुमोदित	पूर्ण	उपलब्ध ईसी	उत्पादनरत
	18	गेवरा ओसी	एसईसीएल	अनुमोदित	पूर्ण	उपलब्ध ईसी	उत्पादनरत
	19	जगन्नाथपुर	एसईसीएल	अनुमोदित	पूर्ण	उपलब्ध ईसी	उत्पादनरत
	20	जंपाली ओसी	एसईसीएल	अनुमोदित	पूर्ण	उपलब्ध ईसी	उत्पादनरत
	21	झीरिया वेस्ट ओसी	एसईसीएल	अनुमोदित	पूर्ण	उपलब्ध ईसी	उत्पादनरत
	22	कंचन ओसी	एसईसीएल	अनुमोदित	पूर्ण	उपलब्ध ईसी	उत्पादनरत
	23	कुसमुंडा ओसी	एसईसीएल	अनुमोदित	पूर्ण	उपलब्ध ईसी	उत्पादनरत
	24	मानिकपुरओसी	एसईसीएल	अनुमोदित	पूर्ण	उपलब्ध ईसी	उत्पादनरत
	25	रामपुर बातुरा ओसी	एसईसीएल	अनुमोदित	पूर्ण	उपलब्ध ईसी	उत्पादनरत
	26	सरायपाली ओसी	एसईसीएल	अनुमोदित	पूर्ण	उपलब्ध ईसी	उत्पादनरत
	27	गोपालजी-कान्हा	एमसीएल	अनुमोदित	पूर्ण	उपलब्ध ईसी	उत्पादनरत
	28	भुवनेश्वरीएक्स	एमसीएल	अनुमोदित	पूर्ण	उपलब्ध ईसी	उत्पादनरत
	29	बलराम एक्स	एमसीएल	अनुमोदित	पूर्ण	उपलब्ध ईसी	उत्पादनरत

	क्र.सं.	परियोजना का नाम	सहायक कंपनी	बोर्ड अनुमोदन स्थिति	ईसी अनुदान	ईसी स्थिति	कोयला उत्पादन की शुरुआत
परियोजनाएं अनुमोदित BUT नहीं उत्पादन में	30	अंबिका ओसी	एसईसीएल	अनुमोदित	पूर्ण	उपलब्ध ईसी	2021-22
	31	अमेरा	एसईसीएल	अनुमोदित	पूर्ण	उपलब्ध ईसी	2021-22
	32	तालचेर वेस्ट	एमसीएल	अनुमोदित	पूर्ण	उपलब्ध ईसी	2025-26
	33	पिचारीओसी	सीसीएल	अनुमोदित	पूर्ण	उपलब्ध ईसी	2021-22
	34	सयाल डीओसी	सीसीएल	अनुमोदित	पूर्ण	उपलब्ध ईसी	2021-22
	35	हिंदगिर ओसी	सीसीएल	अनुमोदित	31-10-2022	भूमि अनुसूची तैयारी के अधीन है	2022-23
	36	तपिन साउथ एक्स	सीसीएल	अनुमोदित	पूर्ण	उपलब्ध ईसी	2022-23
	37	सेमारिया ओसी	एनसीएल	अनुमोदित	09-03-2022	सीएमपीडीआईएल द्वारा ईआईए-ईएमपी प्रारूप की तैयारी के लिए आधारभूत डेटा उत्पादन किया जा रहा है। .	2022-23
	38	गौरी।-पौनी एक्स ओसी	डब्ल्यूसीएल	अनुमोदित	01-03-2022	पीएच दस्तावेज/ईएमपी निर्माणाधीन हैं। .	2022-23

42	बोंजेमेहारी	ईसीएल	30-06-2021	पूर्ण	उपलब्ध ईसी	उत्पादन में
39	बिंकारा	एसईसीएल	अनुमोदित	पूर्ण	उपलब्ध ईसी	2024-25
40	राजनगर ओसी	एसईसीएल	अनुमोदित	पूर्ण	उपलब्ध ईसी	2021-22
41	विजय वेस्ट	एसईसीएल	अनुमोदित	18-03-2024	फॉर्म-1 वन भूमि के पंजीकरण और अंतिम डीजीपीएस सर्वेक्षण के पश्चात लागू होगा	2022-23
43	नाबाकाजोरा माधबपुर	ईसीएल	31-07-2021	पूर्ण	उपलब्ध ईसी	उत्पादनरत
44	सोनपुर बाजारी	ईसीएल	31-08-2021	पूर्ण	उपलब्ध ईसी	उत्पादनरत
45	कल्याणेश्वरी	बीसीसीएल	30-10-2021	पूर्ण	उपलब्ध ईसी	पीआर अनुमोदन के अधीन
46	अरगडाओसी	सीसीएल	अनुमोदित नहीं	28-01-2022	02.10.2020 को टीओआर पत्र जारी किया गया। पूर्व मानसून 2021 में आधारभूत डेटा उत्पादन	2023-24
47	जीवन धारा ओसी	सीसीएल	01-07-2021	10-08-2022	भूमि अनुसूची तैयारी के अधीन है	2023-24

	क्र.सं.	परियोजना का नाम	सहायक कंपनी	बोर्ड अनुमोदन स्थिति	ईसी अनुदान	ईसी स्थिति	कोयला उत्पादन की शुरुआत
परियोजनाएं नहीं YET अनुमोदित BY THE BOARD	48	कोंडा हर्दोला ओसी	डब्ल्यूसीएल	अनुमोदित नहीं	01-08-2022	पीआर अनुमोदन के पश्चात आवेदन तैयार किया जाएगा	अव्यवहार्य
	49	गौरी। सेंट्रल ओसी	डब्ल्यूसीएल	अनुमोदित नहीं	13-12-2022	पीआर अनुमोदन के पश्चात आवेदन तैयार किया जाएगा	अव्यवहार्य
	50	कुंभरखानी यूजी से ओसी	डब्ल्यूसीएल	अनुमोदित	05-10-2022	डब्ल्यूसीएल की आने वाली बोर्ड मीटिंग में पीआर अनुमोदन हेतु रखी जाएगी। . कुंभरखनी यूजी से ओसी एकीकृत कुंभरखानी धोंसा डीसी का	2023-24
	51	चिंचला पिसगांव ओसी	डब्ल्यूसीएल	अनुमोदित नहीं	17-10-2022	पीआर तैयारी के अधीन	अव्यवहार्य
	52	पिंपलगांव डीप ओसी	डब्ल्यूसीएल	अनुमोदित नहीं	17-10-2022	पीआर तैयारी के अधीन	2023-24
	53	दामिनी ओसी	एसईसीएल	अनुमोदित नहीं	19-06-2023	पीआर तैयारी के अधीन	2023-24
	54	कुल्दा -गर्जनबल एक्स	एमसीएल	अनुमोदित नहीं	पूर्ण	उपलब्ध ईसी	उत्पादनरत

FC Status
(वन Clearance)

वर्ष 2021-22 के लिए एजेंडा

अनुमोदित परियोजनाएं और उत्पादन में

परियोजनाएं अनुमोदित AND उत्पादन में

1	अमादांद ओसी	एसई सीएल	अनुमोदित	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	उत्पादनरत
2	नाकराकोंडा कुमारडीह बी B	ईसीएल	अनुमोदित	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	उत्पादनरत
3	तिलाबोनी	ईसीएल	अनुमोदित	15.09.2022	06.04.2023	03.03.2021 को पहला साइट निरीक्षण डीएफओ दुर्गापुर द्वारा किया गया। डीएफओ, दुर्गापुर द्वारा उठाए गए ईडीएस के दिनांक 12.03.2021 के उत्तर को परिवेश पोर्टल पर दिनांक 23.04.2021 को अपलोड किया जा चुका है।	उत्पादनरत
4	पारासी-बेलबैद	ईसीएल	अनुमोदित	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	उत्पादनरत
5	सिडुली	ईसीएल	अनुमोदित	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	उत्पादनरत
6	झांझरा एक्स	ईसीएल	अनुमोदित	पूर्ण	पूर्ण	पूर्ण	उत्पादनरत
7	चित्रा ईस्ट ओसीपी	ईसीएल	अनुमोदित	27.10.2022	18.05.2023	शेष भूमि के अचल अधिकारी से प्रामाणित भूमि अनुसूची की प्रतीक्षा है। 124.28 हे. वन भूमि प्राप्त कर ली गई है।	उत्पादनरत
8	कुमारडीह बी B	ईसीएल	अनुमोदित	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	उत्पादनरत
9	श्यामसुंदरपुर	ईसीएल	अनुमोदित	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	उत्पादनरत
10	मोहनपुर एक्स	ईसीएल	अनुमोदित	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	उत्पादनरत
11	एनटीएसटी ओसीपी	बीसीसीएल	अनुमोदित	पूर्ण	30.11.2021	4 हे. वन भूमि कृषि के लिए एनपीवी जमा की गई। बाह्य ओबी डंपिंग साइट का भाग	उत्पादनरत
12	मूनीडीह	बीसी	अनुमोदित	लागू नहीं	लागू नहीं	सीआईएमएफआर ने एक अध्ययन किया और इस तरह से पैनलों का खाका सुझाया कि पेनल यूजी के दोहन के कारण सतत पर कोई अवलतन नहीं है। इस प्रकार,	उत्पादनरत

अनुमोदित परियोजनाएं एवं परियोजनारत

13	मुराईडीह यूजी	बीसीसीएल	अनुमोदित	लागू नहीं	लागू नहीं	मुराईडीह कोलियरी : हार्ड कॉपी तैयार की जा रही है और डीसी धनबाद से भूमि अभिलेखों की अनुपलब्धता का प्रमाण पत्र (सी.एस. खातियान के अनुसार) प्रतिक्षित है।	उत्पादनरत
14	सस्ती एक्स ओसी	डब्ल्यूसीएल	अनुमोदित	लागू नहीं	लागू नहीं	कोई वन भूमि शामिल नहीं	उत्पादनरत
15	आमगांव	एसईसीएल	अनुमोदित	पूर्ण	पूर्ण	एफसी-II दिया गया	उत्पादनरत
16	बरौद एक्स ओसी	एसईसीएल	अनुमोदित	07-07-2021	26-01-2022	एपीसीसीएफ (एलएम), रायपुर ने छत्तीसगढ़ राज्य को दिनांक 05.03.2021 को उत्तर प्रस्तुत किया गया। छत्तीसगढ़ राज्य ने दिनांक 08.04.2021 के पत्र के जरिए एमओईएफएंडसीसी को प्रस्ताव भेजा (चरण-II एफसी)	उत्पादनरत
17	छालओसी	एसईसीएल	अनुमोदित	25-08-2021	16-03-2022	छत्तीसगढ़ राज्य ने दिनांक 09.04.2021 को एमओईएफएंडसीसी को प्रस्ताव भेजा (चरण-I एफसी)	उत्पादनरत
18	गेवरा ओसी	एसईसीएल	अनुमोदित	04-04-2022	24-10-2022	एमओईएफएंडसीसी ने दिनांक 22.01.2021 को प्रश्न उठाया था। दिनांक 05.04.2021 को एपीसीसीएफ (एलएम) , रायपुर को डीएफओ, कटघोरा और सीसीएफ, बिलापुर के माध्यम से उत्तर प्रस्तुत किया गया।	उत्पादनरत
19	जगन्नाथपुर	एसईसीएल	अनुमोदित	पूर्ण	पूर्ण	एफसी-II दिया गया	उत्पादनरत
20	जंपाली ओसी	एसईसीएल	अनुमोदित	पूर्ण	पूर्ण	एफसी-II दिया गया	उत्पादनरत
21	झीरिया वेस्ट ओसी	एसईसीएल	अनुमोदित	27-07-2021	25-01-2022	27.08.2020 को एमओईएफएंडसीसी ने प्रश्न पूछा (की मांग की)/हंसदेव क्षेत्र ने 26.11.2020 को डीएफओ, अनूपपुर को उत्तर प्रस्तुत किया। एपीसीसीएफ (एलएम), भोपाल ने दिनांक 17.12.2020 को पत्र के तहत 330 हे सीए भूमि के लिए पुनर्वीक्षा की मांग की। सीए भूमि शहदोल में चिन्हित की गई यौजना तैयारी के अधीन है।	उत्पादनरत
22	कंचन ओसी	एसईसीएल	अनुमोदित	पूर्ण	30.10.2021	चरण-I एफसी का अनुपालन डीएफओ को प्रस्तुत किया जाना है (चरण-II एफसी)	उत्पादनरत
23	कुसमुंडा ओसी	एसईसीएल	अनुमोदित	04-04-2022	24-10-2022	एपीसीसीएफ (एलएम) ने 15.02.2021 को प्रस्ताव को स्वीका किया और डीएफओ को प्रसंस्करण के लिए और जिला	उत्पादनरत

24	मानिकपुर ओसी	एसईसीएल	अनुमोदित	पूर्ण	30.12.2021	237.44 हे. शेष भूमि में कोयला+300 मी की गहराई में है अस्त खनन की योजना बनेगी और तदलनुसार भविष्य में अधिकृत कर ली जाएगी।	उत्पादन में
25	रामपुर बातुरा ओसी	एसईसीएल	अनुमोदित	26-09-2022	17-04-2023	आवेदन जमा करने के लिए भूमि की मात्रा को अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है।	उत्पादनरत
26	सरायपाली ओसी	एसईसीएल	अनुमोदित	पूर्ण	पूर्ण	एफसी-II दिया गया	उत्पादनरत
27	गोपालजी-कान्हा	एमसीएल	अनुमोदित	नहीं लिया गया	31-03-2023	भूमिगत शेड्यलू तैयार किया जा रहा है।	उत्पादनरत
28	भुवनेश्वरी एक्स	एमसीएल	अनुमोदित	25-04-2022	06-04-2023	वन पैच का डीजीपीएस: अनुमान का अनुमोदन प्रक्रियाधीन है।	उत्पादनरत
29	बलरामएक्स	एमसीएल	अनुमोदित	16-12-2021	07-07-2022	र्म-ए पार्ट-1 को ऑनलाइन जमा किया गया 02 .12.2020। दिनांक 12.01.2021 को सीए भूमि के लिए 387.332 हेक्टेयर का आवंटन। ग्राम सभा एन के लिए एफआरए के तहत पीआर पी आर के तहत है। सीए भूमि के लिए स्तंभ पो स्टिंग पूर्ण। डीजीपीएस पूर्ण और रिपोर्ट के तह त तैयारी	उत्पादनरत
परियोजनाएं अनुमोदित लेकिन उत्पादन में नहीं							
30	अंबिका ओसी	एसईसीएल	अनुमोदित	23-06-2021	22-12-2021	छत्तीसगढ़ राज्य ने दिनांक 14.06.2021 को आरओ, एमओइएफएंडसीसी, रायपुर को प्रस्ताव भेजा (चरण-I एफसी)	2021-22
31	अमेरा	एसईसीएल	अनुमोदित	पूर्ण	पूर्ण	एफसी-II दिया गया	2021-22
32	तालचेर वेस्ट	एमसीएल	अनुमोदित	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	2025-26
33	पिचारीओसी	सीसीएल	अनुमोदित	नहीं Obtained	01-08-2023	वन आवेदन सितंबर 2021 तक बना ली जाएगा और सित 23 तक डायवर्जन प्रापत कर ली जाएगी	2021-22
34	सयाल डीओसी	सीसीएल	अनुमोदित	पूर्ण	पूर्ण	साइट अंतरण अभी प्रतीक्षा में है	2021-22

अनुमोदित परियोजनाएं लेकिन गैर-उत्पादनरत

35	हिंदगिर ओसी	सीसीएल	अनुमोदित	27-07-2022	15-02-2023	भूमिगत शेड्यूल तैयार होने के बाद आवेदन किया जाएगा(चरण-I एफसी)	2022-23
36	तपिन South एक्स	सीसीएल	अनुमोदित	15.06.2022	26-04-2023	एफसी आवेदन भूमि अनुसूची प्रमाणीक रण के बाद ही किया जाएगा के	2022-23
37	सेमारिया ओसी	एनसीएल	अनुमोदित	30-08-2021	09-05-2022	डीएफओ, सिंगरौली स्तर पर लंबित प्र श्न का उत्तर प्रस्तुत करने के लिए 05 .02.2021 को एनओ, एमपी द्वारा उ ठाया गया	2022-23
38	गौरी।-पौनीएक्स ओसी	डब्ल्यूसीएल	अनुमोदित	लागू नहीं	लागू नहीं	पीआर के अनुसार कोई वन भूमि शामिल नहीं है।	2022-23
39	बिंकारा	एसईसीएल	अनुमोदित	25-04-2022	06-04-2023	एफआरए के तहत एनओसी के लिए लंबित	2024-25
40	राजनगर ओसी	एसईसीएल	अनुमोदित	पूर्ण	पूर्ण	एफसी-II दिया गया	2021-22
41	विजय वेस्ट	एसईसीएल	अनुमोदित	प्राप्त नहीं कि या	प्राप्त नहीं किया	वन भूमि के लिए आवेदन और सटीक भूमि वन भूमि की मात्रा सीबीए के 7(i) काअंतिम रूप देनाअधिसूचना के बाद जमा करें	2022-23

बोर्ड द्वारा परियोजनाओं को अभी तक अनुमोदन नहीं दिया गया

42	बोंजेमेहारी	ईसीएल	30-06-2021	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	उत्पादन में
43	नाबाकाजोरा माधबपुर	ईसीएल	31-07-2021	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	उत्पादनरत
44	सोनपुर बाजारी	ईसीएल	31-08-2021	पूर्ण	पूर्ण	एफसी-II दिया गया	उत्पादनरत
45	कल्याणेश्वरी	बीसीसीएल	30-10-2021	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	पीआर के अनुमोदन के अध्यधीन
46	अरगडाओसी	सीसीएल	नहीं अनुमोदित	नहीं लिया गया	01-08-2022	भूमि अनुसूची के अंतिम देने के बाद आवेदन तैयार किया जाएगा।	2023-24
47	जीवन धारा ओसी	सीसीएल	01-07-2021	12-08-2022	23-06-2023	एफसी आवेदन प्रस्तुत किया जाना है।	2023-24
48	कोंडा हर्दोला ओसी	डब्ल्यूसीएल	नहीं अनुमोदित	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	अव्यवहार्य
49	गौरी। सेंट्रल ओसी	डब्ल्यूसीएल	नहीं अनुमोदित	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	अव्यवहार्य
50	कुंभरखानी यूजी to ओसी	डब्ल्यूसीएल	नहीं अनुमोदित	लागू नहीं (फेज -I)	लागू नहीं (फेज़ -I)	लागू नहीं	2023-24
51	चिंचला पिसगांव ओसी	डब्ल्यूसीएल	नहीं अनुमोदित	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	2023-24
52	पिंपलगांव डीप ओसी	डब्ल्यूसीएल	नहीं अनुमोदित	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	2023-24
53	दामिनी ओसी	एसईसीएल	नहीं अनुमोदित	27-07-2022	15-02-2023	सीबीए अधिनियम को यू/एस 7 की अधिसूचना के पश्चात लागू	2023-24
54	कुल्दा -गर्जनबल एक्स	एमसीएल	नहीं अनुमोदित	नहीं Obtained	31-03-2024	पीआर अंतिम रूप देने के अधीन है। भूमि अनुसूची के अंतिम रूप देने के बाद आवेदन तैया कयिा जाएगा।	उत्पादनरत

उत्पादन शुरू होने की तारीख और कैपेक्स खर्च हुआ

	क्र.सं.	परियोजना का नाम	सहायक कंपनी	बोर्ड की स्वीकृति स्थिति	कोयला उत्पादन का प्रारंभ	संचयी योग व्यय के बाद से आरंभ
अनुमोदित परियोजनाएं एवं उत्पादनरत	1	अमादांद ओसी	एसईसीएल	अनुमोदित	उत्पादन में	122.49
	2	नाकराकोंडा कुमारडीह बी	ईसीएल	अनुमोदित	उत्पादन में	12.62
	3	तिलाबोनी	ईसीएल	अनुमोदित	उत्पादन में	0.61
	4	पारासी- बेलबैद	ईसीएल	अनुमोदित	उत्पादन में	0.03
	5	सिडुली	ईसीएल	अनुमोदित	उत्पादन में	1.89
	6	झांझरा एक्स	ईसीएल	अनुमोदित	उत्पादन में	26.05
	7	चित्रा ईस्ट ओसीपी	ईसीएल	अनुमोदित	उत्पादन में	123.23
	8	कुमारडीह बी B	ईसीएल	अनुमोदित	उत्पादन में	74.13
	9	श्यामसुंदरपुर	ईसीएल	अनुमोदित	उत्पादन में	1.83
	10	मोहनपुर एक्स	ईसीएल	अनुमोदित	उत्पादन में	0.69
	11	एनटीएसटी ओसीपी	बीसीसीएल	अनुमोदित	उत्पादन में	5.87
	12	मूनीडीह XV सीम	बीसीसीएल	अनुमोदित	उत्पादन में	461.54
	13	मुराईडीह यूजी	बीसीसीएल	अनुमोदित	उत्पादन में	23.47
	14	सस्ती एक्स ओसी	डब्ल्यूसीएल	अनुमोदित	उत्पादन में	52.55

	क्र.सं.	परियोजना का नाम	सहायक कंपनी	बोर्ड की स्वीकृति स्थिति	कोयला उत्पादन का प्रारंभ	संचयी योग व्यय के बाद से आरंभ
परियोजनाएं को अनुमोदन दिया गया और उत्पादनरत	15	आमगांव	एसईसीएल	अनुमोदित	उत्पादन में	142.31
	16	बरौद एक्स ओसी	एसईसीएल	अनुमोदित	उत्पादन में	365.28
	17	छालओसी	एसईसीएल	अनुमोदित	उत्पादन में	152.8
	18	गेवरा ओसी	एसईसीएल	अनुमोदित	उत्पादन में	4,538.56
	19	जगन्नाथपुर	एसईसीएल	अनुमोदित	उत्पादन में	197.54
	20	जंपाली ओसी	एसईसीएल	अनुमोदित	उत्पादन में	183.02
	21	झीरिया वेस्ट ओसी	एसईसीएल	अनुमोदित	उत्पादन में	-
	22	कंचन ओसी	एसईसीएल	अनुमोदित	उत्पादन में	65.19
	23	कुसमुंडा ओसी	एसईसीएल	अनुमोदित	उत्पादन में	2809.74
	24	मानिकपुरओसी	एसईसीएल	अनुमोदित	उत्पादन में	209.86
	25	रामपुर बातुरा ओसी	एसईसीएल	अनुमोदित	उत्पादन में	220.79
	26	सरायपाली ओसी	एसईसीएल	अनुमोदित	उत्पादन में	153.97
	27	गोपालजी-कान्हा	एमसीएल	अनुमोदित	उत्पादन में	920.81
	28	भुवनेश्वरीएक्स	एमसीएल	अनुमोदित	उत्पादन में	623.35
	29	बलरामएक्स	एमसीएल	अनुमोदित	उत्पादन में	629.53

	क्र.सं.	परियोजना का नाम	सहायक कंपनी	बोर्ड की स्वीकृति स्थिति	कोयला उत्पादन का प्रारंभ	संचयी योग व्यय के बाद से आरंभ
अनुमोदित परियोजनाएं लेकिन गैर-उत्पादनरत	30	अंबिका ओसी	एसईसीएल	अनुमोदित	2021-22	29.0
	31	अमेरा	एसईसीएल	अनुमोदित	2021-22	51.3
	32	तालचेर वेस्ट	एमसीएल	अनुमोदित	2025-26	20.40
	33	पिचारीओसी	सीसीएल	अनुमोदित	2021-22	-
	34	सयाल डीओसी	सीसीएल	अनुमोदित	2021-22	-
	35	हिंदगिर ओसी	सीसीएल	अनुमोदित	2022-23	-
	36	तपिन साउथएक्स	सीसीएल	अनुमोदित	2022-23	17.14
	37	सेमारिया ओसी	एनसीएल	अनुमोदित	2022-23	-
	38	गौरी।-पौनीएक्स ओसी	डब्ल्यूसीएल	अनुमोदित	2022-23	48.04
	39	बिंकारा	एसईसीएल	अनुमोदित	2024-25	2.5
	40	RAJलागू नहीं GAR ओसी	एसईसीएल	अनुमोदित	2021-22	100.4
	41	विजय वेस्ट	एसईसीएल	अनुमोदित	2022-23	-

	क्र.सं.	परियोजना का नाम	सहायक कंपनी	बोर्ड की स्वीकृति स्थिति	कोयला उत्पादन का प्रारंभ	संचयी योग व्यय के बाद से आरंभ
बोर्ड द्वारा अभी तक गैर-अनुमोदित परियोजनाएं	42	बोंजेमेहारी	ईसीएल	30-06-2021	उत्पादन में	-
	43	नाबाकाजोरा माधबपुर	ईसीएल	31-07-2021	उत्पादन में	-
	44	सोनपुर बाजारी	ईसीएल	31-08-2021	उत्पादन में	177.1
	45	कल्याणेश्वरी	बीसीसीएल	30-10-2021	पीआर अनुमोदन के अधीन	-
	46	अरगडाओसी	सीसीएल	अनुमोदित नहीं	2023-24	-
	47	जीवन धारा ओसी	सीसीएल	01-07-2021	2023-24	-
	48	कोंडा हर्दोला ओसी	डब्ल्यूसीएल	अनुमोदित नहीं	अव्यवहार्य	-
	49	गौरी। सेंट्रल ओसी	डब्ल्यूसीएल	अनुमोदित नहीं	अव्यवहार्य	-
	50	कुंभरखानी यूजी to ओसी	डब्ल्यूसीएल	अनुमोदित नहीं	2023-24	-
	51	चिंचला पिसगांव ओसी	डब्ल्यूसीएल	अनुमोदित नहीं	2023-24	-
	52	पिंपलगांव डीप ओसी	डब्ल्यूसीएल	अनुमोदित नहीं	2023-24	-
	53	दामिनी ओसी	एसईसीएल	अनुमोदित नहीं	2023-24	-
	54	कुल्दा -गर्जनबल एक्स	एमसीएल	अनुमोदित नहीं	उत्पादन में	1,009.8

अनुबंध -3

2021-22 के लिए एजेंडा

27 एनआरएससी आग स्थल के विवरण

क्र.सं.	एनआरएससी रिकार्ड के अनुसार		संबंधित क्षेत्र	कोलियरी का नाम	पैच का नाम	प्रभावित क्षेत्र	प्रतिशत पूर्णता	आरंभ तिथि	परियोजना अवधि	शेष पूरा किया जाएगा
	No	कोलियरी				(स्का. कि. मी.)				
15 आर्थिक रूप से व्यवहार्य परियोजनाएं										
11 संचालित पैच के अधीन 11 एनआरएससी अग्नि साइट										
1	8	मुराईडीह ओसीपी	बरोरा	एकीकृत मुराईडीह शताब्दीi ओसीपी	विभा. परियोजना	0.0022	परियोजना में कुछ वन भूमि शामिल हैं। पूर्व कथित डायवर्जन के बाद इसका 5 सालों में हल निकाला जाएगा			
2	9	सताब्दी ओसीपी				0.0361				
3	33	इंडस्ट्रीज़	कुसुंडा	ईएनए कोलियरी	ईएनए डीई हायर्ड पैच	0.0513	14.36	05.12.2017	7 वर्ष 1 माह	जन-25
4	46	ईएनए				0.0432				
5	48	एन.तिसरा	लोदना	एनटीएसटी ओसीपी	एच-एचईएमएम पैच बी	0.1802	81.34	01.07.2015	9 वर्ष	जुलाई-24
6	49	एस. तिसरा	लोदना	एनटीएसटी ओसीपी	जेनागोरा कोलियरी पैच- एफ (एनटीएसटी विस्ता. परियोजना का एक भाग)	0.3527	62.53	20.05.2015	5वर्ष + 2 वर्ष 8 माह विस्तार	जन-23

27 एनआरएससी आग स्थल के विवरण

क्र.सं.	एनआरएससी रिकार्ड के अनुसार		संबंधित क्षेत्र	कोलियरी का नाम	पैच का नाम	प्रभावित क्षेत्र	प्रतिशत पूर्णता	आरंभ तिथि	परियोजना अवधि	शेष पूरा किया जाएगा
	सं.	कोलियरी				(स्का. कि. मी.)				
15 आर्थिक रूप से व्यवहार्य परियोजनाएं										
11 संचालित पैच के अधीन 11 एनआरएससी अग्नि साइट										
7	76	अल्कुसा	कुसुंडा	एनजीकेसी	पैच सी	0.0294	10.14	अग.2020	4 वर्ष	अग-24
8	30	तेतुलमारी	कतरास	एकेडब्ल्यूएमसी	एच-तेतुलमारी पैच	0.0220	3.45	19.11.2020	6 वर्ष	नव.-26
9	6	बेनीडीह ओसीपी	ब्लॉक -II	बेनीडीह पैच	एच- एचईएमएम बेनीडीह	0.0453	52.07	01.12.2019	3 वर्ष 6 माह	जून-23
10	7	ब्लॉक II ओसीपी	ब्लॉक -II	एबी ओसीपी	एच- एचईएमएम न्यू बेनीडीह	0.1353	1.89	01.01.2021	6 वर्ष	जन-27
11	41	एस. झरिया आरओसीपी	बस्ताकोला	आरओसीपी	आरओसीपी हायर्ड पैच	0.1118	31.67	08.05.2018	5 वर्ष	मई-23
कुल						1.0095				

क्र.सं.	एनआरएससी रिकार्ड के अनुसार		संबंधित क्षेत्र	कोलियरी का नाम	पैच का नाम	प्रभावित क्षेत्र	प्रतिशत पूर्णता	आरंभ तिथि	परियोजना अवधि	शेष पूरा किया जाएगा
	सं.	कोलियरी				(स्का. कि.मी.)				
दिए गए पैच - 4										
12	21	कतरास चोटीडीह	कतरास	एजीकेसीसी	एच-एचईएमएम पैच बी	0.1368		31.07.2020 को एलओए जारी किया गया। जून, 21 के मध्य से कार्य शुरू होगा।	5वर्ष	जून-26
13	40	कुजामा	लोदना	कुजामा	एच-एचईएमएम पैच जी	0.2404		13.04.2021 को एलओए जारी किया गया। जून, 21 के मध्य से कार्य शुरू होगा।	7 वर्ष	जून-28
14	16	फुलारीटांड	बरोरा	एकीकृत मुराईडीह शताब्दी ओसीपी	बरवा बेरा पैच	0.0205		19.03.2021 को एलओए जारी किया गया। जून, 21 के मध्य से कार्य शुरू होगा।	2 वर्ष	जून-23
15	69	कनकनी	सिजुआ	कनकनी	एच-एचईएमएम पैच डी	0.0525		19.03.2021 को एलओए जारी किया गया। जून, 21 के मध्य से कार्य शुरू होगा।	7 वर्ष	जून-28
कुल						0.4502				
						1.4597				

क्र. सं.	एनआरएससी रिकार्ड के अनुसार		संबंधित क्षेत्र	कोलियरी का नाम	पैच का नाम	प्रभावित क्षेत्र	परियोजना का जीवन काल (वर्ष)	आरंभ तिथि	परियोजना अवधि	शेष पूरा किया जाएगा
	सं.	कोलियरी				(स्का. कि. मी.)				
आर्थिक रूप से अव्यवहार्य पैच - 12										
16	50	एस.तिसरा	लोदना	जोयरामपुर	एकीकृत जोयरामपुर	0.1015	13	सीएमपीडीआई 25.03.2021 द्वारा योजना तैयार की गई एवं 25.03.2021 को 376वीं बोर्ड में रखी गई। बोर्ड ने विचार-विमर्श किया कि प्रस्ताव का कुछ बदलावों के संबंध में पुन: निरीक्षण होना चाहिए। बोर्ड के निर्देशों को देखते हुए सीएमपीडीआई द्वारा प्रस्ताव संशोधित किया जा रहा है और आने वाली बोर्ड मीटिंग में रखा जाएगा। बोर्ड की संस्तुति के बाद यह सीआईएल को परियोजना के निधीयन के लिए भेजा जाएगा। परियोजना की अवधि 12 वर्ष है, जो 6093 विधिक स्वामित्व धारक और 6094 गैर विधिक स्वामित्व धारक 8047 के पुनर्वास की भी अपेक्षा करता है।		
17	51	बरारी		जोयरामपुर		0.1074				
18	82	बगडीगी		जोयरामपुर		0.0209				
19	85	जयरामपुर		जोयरामपुर		0.1042				

क्र. सं.	एनआरएससी रिकॉर्ड के अनुसार		संबंधित क्षेत्र	कोलियरी का नाम	पैच का नाम	प्रभावित क्षेत्र	परियोजना का जीवनकाल (वर्ष)	आरंभ तिथि	परियोजना की अवधि	शेष कार्य....तक पूरा किया जाएगा
	सं.	कोलियरी				(वर्ग किमी)				
आर्थिक रूप से अव्यवहार्य पैचिस-12										
20	70	मूनीडीह	सिजुआ	मूनीडीह		0.1104	7	सीएमपीडीआई द्वारा योजना तैयार की गई थी और 25.03.2021 को 376वें बोर्ड में रखी गई। बोर्ड ने विचार किया कि कुछ परिवर्तनों के संबंध में प्रस्ताव की पुन: जांच की जानी चाहिए।बोर्ड के निर्देश पर विचार करते हुए सीएमपीडीआई द्वारा प्रस्ताव को संशोधित किया जा रहा है और इसे आगामी बोर्ड बैठक में रखा जाएगा। बोर्ड के अनुमोदन के बाद इसे परियोजना के वित्तपोषण के लिए सीआईएल को भेजा जाएगा।परियोजना का जीवनकाल 07 वर्ष है जिसे 390 कानूनी शीर्ष धारक और गैर-कानूनी शीर्ष धारक 1216 के पुनर्वास की भी आवश्यकता है।		
21	35	सेंद्रा बंजोरा	सिजुआ	सेंद्रा बंजोरा	एच-एचईए मएम पैच-एक्स के पास	0.0275	8	16.03.2021 को आयोजित तकनीकी समिति की बैठक में अंतिम रिपोर्ट पर चर्चा की गई। तकनी की समिति ने बाहरी ओबी डंप तक पहुंच के लिए ओवर ब्रिज के स्थान पर डीसी लाइन के नीचे अंडरपास के प्रावधान का सुझाव दिया। इसे अगले बीसीसीएल बोर्ड में रखा जाएगा।		

क्र. सं.	एनआरएससी रिकॉर्ड के अनुसार		संबंधित क्षेत्र	कोलियरी का नाम	पैच का नाम	प्रभावित क्षेत्र	परियोजना का जीवन काल (वर्ष)	आरंभ तिथि	परियोजना की अवधि	शेष कार्य....तक पूरा किया जाएगा
	सं.	कोलियरी				(वर्ग किमी))				
आर्थिक रूप से अव्यवहार्य पैचिस-12										
22	34	कुसुंडा कोलियरी	कुसुंडा	एनजीकेसी	एच-एचईएमएम पैच-डी	0.7398	13	इस अग्नि स्थल की परिधि के पास कोई आजीविका नहीं है। कंबल देने का निर्णय लिया गया है। कंबल बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और तीन महीने के भीतर पूरा होने की संभावना है।		
23	68	गजलीटंड	कटरास	एजीकेसीसी	नजदीक एच-एचईएमएम गजलीटंड-भद्रीचाप	0.1215	8	सीएमपीडीआई द्वारा विकल्प I और II के साथ मसौदा प्रस्ताव तैयार किया गया है। प्रस्ताव जून-21 में बोर्ड में रखा जाएगा। बोर्ड की मंजूरी के बाद इसे परियोजना के वित्तपोषण के लिए सीआईएल को भेजा जाएगा। परियोजना का जीवनकाल 08 वर्ष है।		
24	36	बस्ताकोल्ला	बस्ताकोल्ला	---------	---------	0.0810		इस अग्नि स्थल की परिधि के पास कोई आजीविका नहीं है। कंबल देने का निर्णय लिया गया है। कंबल बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और तीन महीने के भीतर पूरा होने की संभावना है।		

क्र. सं.	एनआरएससी रिकॉर्ड के अनुसार		संबंधित क्षेत्र	कोलियरी का नाम	पैच का नाम	प्रभावित क्षेत्र	परियोजना का जीवन काल (वर्ष)	आरंभ तिथि	परियोजना की अवधि	शेष कार्य .... तक पूरा किया जाएगा	क्र. सं.	एनआरएससी रिकॉर्ड के अनुसार
	सं.	कोलियरी				(वर्ग किमी)						
आर्थिक रूप से अव्यवहार्य पैचिस-12												
25	77	कुस्टोरी	पीबी	कुस्टोरी	-----	0.0463						
26	43	घनुडीह	बस्ताकोल्ला	घनुडीह	विभागीय परियोजना	0.0322						
27	75	ई भगतडीह	बस्ताकोल्ला	बस्ताकोल्ला		0.0214						

बीसीसीएल अथॉरिटी द्वारा डीसी धनबाद को 23.09.2020 को डीबी रोड डायवर्जन और माडा कॉलोनी शिफ्टिंग के संबंध में पत्र लिखा गया था। 06.10.20 को डीसी कार्यालय में हुई बैठक के दौरान बीसीसीएल ने डीबी रोड और माडा कॉलोनी और जल भंडार के स्थानांतरण के लिए टेंटेटिव एलाइनमेंट प्रस्तुत किया है। दिनांक 23.10.20 को डीसी धनबाद सह एमडी जेआरडीए को पत्र लिखकर इसे स्थानांतरित करने के लिए समय सीमा प्रदान करने का अनुरोध किया गया ह , ताकि बीसीसीएल कार्रवाई शुरू की जा स के।राइट्स द्वारा प्रस्तुत पूर्व-व्यवहार्यता रिपोर्ट का मसौदा और अध्ययन के अधीन है।प्रस्ताव सीएमपीडीआईएल द्वारा तैयार किया जा रहा है और बाद में प्रस्तुत किया जाएगा जल भंडार के स्थानांतरण सहित डीबी सड़कों और माडा के डायवर्जन के बारे में समय रेखा और वितरण प्राप्त करना।

राष्ट्र की ऊर्जा आकांक्षाओं को परिपूर्ण करने को समर्पित

2021-22 के लिए एजेंडा